हरिभूमि

# जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 20 जुलाई 2025

तापमान

अधिकतम 34.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

10 रागी जत्थों ने किया अपनी वाणी से गुरु की महिमा का बखान

10 मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी छाए

## खबर संक्षेप

### रंजिशन हमला करने पर पांच के खिलाफ केस दर्ज

**जींद।** नरवाना के हिसार रोड पर रंजिशन रास्ता रोक हमला कर व्यक्ति के साथ मारपीट करने पर शहर थाना नरवाना पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। राजकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी मोहल्ले के ही संदीप से कहासुनी हो गई थी। जब वह घर वापस लौट रहा था तो रास्ते में संदीप परिवार ने उसे घेर कर हमला कर दिया।

### अफीम बरामदगी मामले में सप्लायर गिरफ्तार

**कैथल।** 439 ग्राम अफीम बरामदगी मामले की जांच एंटी नारकोटिक सैल के एएसआई नरेंद्र की टीम द्वारा करते आरोपी गांव रफियाबाद जिला बरेली यूपी निवासी रजनेश को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 22 मई को एंटी नारकोटिक सेल के एएसआई राजेश कुमार की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की थी।

### मकान से जेवर व 80 हजार की नकदी चोरी

**जींद।** मालवी में बीती रात चोरों ने मकान में घुस कर सोना, चांदी के जेवरात तथा 80 हजार रुपये की नगदी को चोरी कर लिया। जुलाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज किया है। मालवी निवासी दिलबाग ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोर घर में घुस गए और सोना, चांदी के जेवरात व 80 हजार की नकदी को चोरी कर लिया।

### मारपीट करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

**कैथल।** सेरधा में अध्यापक से मारपीट करने के मामले की जांच थाना राजौंद पुलिस के पीएसआई सुनील की टीम द्वारा करते आरोपी सेरधा निवासी अभिमन्यु व अमन को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेरधा सरकारी स्कूल में अध्यापक सुरेंद्र की शिकायत अनुसार 17 जुलाई स्कूल के पास उक्त दोनो युवकों के साथ अन्य युवको द्वारा उस पर जानलेवा हमला किया गया।

### फर्जी दस्तावेज तैयार करने पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

**जींद।** जालसाजी कर फर्जी दस्तावेज तैयार करने तथा ट्रेड मार्का का दुरूपयोग करने पर शहर थाना सफीदों पुलिस ने एचआईपीएसए के अध्यक्ष की शिकायत पर एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### ट्रांसफार्मर से सामान चोरी का आरोपी दबोचा

**कैथल।** गांव बाता में खेत के ट्रांसफार्मर का तेल चोरी करने के मामले की जांच थाना कलायत पुलिस के एएसआई मंजीत सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी अर्जुन नगर कैथल निवासी अजायब सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बाता निवासी अजय की शिकायत अनुसार वह उनके गांव के ही मोनु के हिसार चंडीगढ़ हाईवे पर कैलरम मोड़ के पास स्थित खेत ठेका पर लेकर खेती करता है।

### संदिग्ध हालात में युवती लापता, शिकायत दर्ज

**जींद।** गांव अंटा से युवती के सदिग्ध हालात मे गायब होने पर सदर थाना सफीदों पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।गांव अंटा निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 20 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई।

### 1.260 किलो ग्राम गांजा फूल पत्ती संग आरोपी काबू

**कैथल।** एंटी नारकोटिक सेल द्वारा थाना गुहला क्षेत्र से नशा तस्कर को 1 किलो 260 ग्राम गांजा फूल पत्ती सहित काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेल प्रभारी एसआई राजबीर सिंह की अगुवाई में एसआई जोगिंद्र सिंह की टीम दोपहर के समय गश्त दौरान गांव चक्कू लदाना क्षेत्र में मौजूद थी।

## नंदगढ़ में कार्यक्रम में बोले सीएम: पेयजल व जलापूर्ति योजनाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए पच्चीस करोड़ की घोषणा

# गांव मालवी में बनेगा आयुर्वेदिक अस्पताल : नायब सैनी

### मुख्यमंत्री ने जुलाना को दी करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जुलाना को करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी है। उन्होंने जुलाना में 30 करोड़ रुपये की लागत से उपमंडल कॉम्प्लेक्स का निर्माण करवाने की घोषणा की। साथ ही जुलाना विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न गांवों में माइनरों के पुनर्निर्माण से संबंधित कुल नौ कार्यों के लिए 15.71 करोड़ रुपये की घोषणा की। पेयजल व जलापूर्ति योजनाओं के लिए भी मुख्यमंत्री ने कुल 12 कार्यों के लिए 25 करोड़ रुपये की घोषणा की।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने यह घोषणाएं शनिवार को जुलाना विधानसभा के गांव नंदगढ़ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान की। कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी उपस्थित रही। सीएम नायब सिंह सैनी ने बराहकलां गांव में पशु अस्पताल भवन के लिए 31 लाख रुपये, जुलाना विधानसभा के चार गांवों (शादीपुर, रामगढ़, कर्मगढ़ और अनुपगढ़) में आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए 60 लाख रुपये तथा गांव मालवी में आयुर्वेदिक अस्पताल के निर्माण के लिए 67.90 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गांव खरैंटी में 33 केवी सबस्टेशन की क्षमता बढ़ाई जाएगी। जुलाना विधानसभा में स्कूलों की मरम्मत करवाई जाएगी। उन्होंने बुआना के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पार्किंग शेड के निर्माण के लिए 20.25 लाख रुपये तथा देवरड़ में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की चारदीवारी और प्रांगण को पक्का बनाने के लिए 71.59 लाख रुपये की घोषणा की। चार गांवों में 2.20 करोड़ रुपये की लागत से बनेंगे उपस्वास्थ्य केंद्र मुख्यमंत्री ने बराह कलां में पीने के पानी के लिए पाइप लाइन बिछाने हेतु 1.25 करोड़ रुपये के अलावा रामराये में तीर्थ तालाब की रिटेनिंग वॉल के लिए 1.50 करोड़ रुपये की घोषणा की। जुलाना विधानसभा के चार गांवों (बराडख़ेड़ा, नंदगढ़, अनूपगढ़ और बराहकलां) में भूमि उपलब्ध होने पर 2.20 करोड़ रुपये की लागत से उपस्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि देवरड़ माइनर पर पुराने खालों को पक्का करने की फिजिबिलिटी चेक करवा कर इसे भी पूरा किया जाएगा। साथ ही जुलाना, बड़छप्पर रोड पर आरसीसी की फिजिबिलिटी चेक करके इस पूरा करवाने का काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव देवरड़ का राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज रकबे को बीसवा और बीघे से कनाल और मरला में बदला जाएगा। गांव नंदगढ़ तथा जुलाना में खेल स्टेडियमों का सुदृढ़ीकरण व नवीनीकरण किया जाएगा। जुलाना नगरपालिका के भवन का भी निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने जुलाना विधानसभा क्षेत्र के तहत गांवों में सामुदायिक भवनों के लिए पांच करोड़ रुपये तथा जुलाना विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अलग से पांच करोड़ रुपये की घोषणा की। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 16 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत की आठ विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

### जुलाना में 30 करोड़ रुपये की लागत से उपमंडल कॉम्प्लेक्स का होगा निर्माण

**जींद।** सीएम नायब सैनी, दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता महाराजा अग्रसेन धर्मशाला के उद्घाटन समारोह का दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।

**जींद।** हरियाणा सीएम नायब सैनी, दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता जुलाना में महाराजा अग्रसेन धर्मशाला का उद्घाटन करते हुए।

**उचाना।** दिल्ली सीएम को कोथली देते विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

### ये रहे मौजूद

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण लाल मिड्ढा, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, सफीदों विधायक रामकुमार गौतम, उचाना विधायक देवेंद्र अत्री, डा. पुष्पा तायल सहित अनेक भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का जींद की धरती पर जोरदार स्वागत : देवेंद्र चतरभुज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि जींद की बेटी दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का जींद की धरती पर भव्य स्वागत हुआ। रिकॉर्ड तोड़ उमड़ी नंदगढ़ में आयोजित जनसभा में भीड़ ने जींद की बेटी को आशीर्वाद देने का काम किया। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता के जन्म दिन पर आयोजित सभा में सीएम नायब सिंह सैनी ने भी जुलाना हलके को नायाब सौगात देने का काम किया। हरियाणा की पुरानी परंपरा को निभाते हुए भाजपा के चारों विधायकों द्वारा सावन के माह में बहन को दी जाने वाली कोथली सीएम नायब सिंह सैनी के साथ मिलकर दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता को दी। अत्री ने कहा कि आज का दिन जींद के लिए ऐतिहासिक दिन रहा। जींद की बेटी ने जुलाना हलके में अपने गांव नंदगढ़ की धरती पर पहुंच कर अपनों के साथ अपने जन्म दिन को मनाया। इस जनसभा में उचाना हलके से भी रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी हुई। सभा में उमड़ी भीड़ सीएम नायब सिंह की निरंतर बढ़ रही लोकप्रियता का प्रमाण है। जो वो कहते है वो करते है ये तीसरी बार सत्तासीन हुई भाजपा की सरकार के शुरूआत में वायदे पूरा कर करके दिखाया है। देश के सबसे लोकप्रियता सीएम नायब सिंह सैनी बनते जा रहे है। देर रात तक वो लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनने का काम करते है। चेहरे पर हमेशा उनके नजर आने वाले हंसी ने विपक्ष की बैचेनी को बढ़ाने के साथ विपक्षी नेताओं की रातों को नींद तक उड़ा दी है।

**जींद।** नंदगढ़ गांव में आयोजित जनसभा में सीएम नायब सिंह सैनी के साथ विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

### जींद में भी 545 घोषणाएं पूरी हो चुकी

संबोधन में सीएम नायब सैनी ने कहा कि आज सिख गुरू हरकिशन सिंह की आठवीं जयंती भी है। आज क्रांतिकारी नेता मंगल पांडे की भी जयंती है। आज बहुत ही पवित्र दिवस है। 23 जनवरी 2015 को हरियाणा की पानीपत की ऐतिहासिक भूमि पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आए थे तो उन्होंने बेटी बचाओ, बेटी पढाओ का नारा दिया था। उन्हें खुशी है कि मोदी के नेतृत्व में गति से काम हुआ है और बेटियों को सशक्त और मजबूत करने का काम हरियाणा में तेजी से चला है। नरेंद्र मोदी को वो धन्यवाद करते हैं कि नंदगढ़ में जन्मी रेखा को दिल्ली की सीएम बनाने का काम किया है। वो नंदगढ़ गांव की महान धरा पर वो बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। आज प्रदेश में ट्रिप्पल इंजन की ताकत से विकास की गति तेज हुई है। सरकार यह नही देख रही है कि विधायक हमारा है या किसी और पार्टी का है। सरकार सबके विकास के लिए कार्य कर रही है। जब से बीजेपी सरकार बनी है तब से 2014 से जुलाना विधानसभा में 20 हजार 433 करोड़ लागत के विकास कार्य जुलाना में करवाए हैं। जबकि 2004 से 2014 तक कांग्रेस सरकार ने केवल 202 करोड़ के ही विकास कार्य करवाए थे। यह बीजेपी की विकासकारी नीतियों को दर्शाता है। जुलाना विधानसभा में 88 घोषणाएं की और 85 पर काम हो चुका है। जींद में भी 545 घोषणाएं पूरी हो चुकी हैं।

### महिलाओं के लिए प्रेरणादायक

सीएम नायब सैनी ने कहा कि बीजेपी ही ऐसी पार्टी है जो विचार से जोड़ कर देश को नई दिशा दे सकती है। स्व. सुषमा स्वराज भी हरियाणा की बेटी थी और वो भी दिल्ली की सीएम थी। हरियाणा की बेटियों ने देश को आगे ले जाने का काम किया। आज दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का राजनीतिक जीवन यात्रा हमें यह बताती है कि भारत आज बदल रहा है। एक बेटी नंदगढ़ गांव से जन्म लेती है और दिल्ली जैसे महानगर की मुख्यमंत्री बन जाती है। यहां न केवल महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है बल्कि देश को संदेश देती है कि भारत के अवसर वंशवाद से नही परीश्रम से तय होते हैं। जो व्यक्ति मेहनत व परीश्रम कर सकते हैं वो बहुत ऊंचे तक जा सकता है।

### जन्मदिन मनाया

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने सीएम बनने के बाद पहली बार अपने पैतृक गांव नंदगढ़ में जन्मदिन मनाया। शनिवार को गांव में 49 साल बाद आई रेखा गुप्ता का जन्मदिन ही नही मनाया गया बल्कि भाइयों ने स्नेह के तौर पर कोथली भी दी। इसमें हरियाणा के सीएम व जिले के सभी विधायकों ने सावन माह में अपनी बहन का केक काट कर जन्मदिन मनाया। इस मौके पर हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हमारे हरियाणा की संस्कृति है कि बेटी को आर्शीवाद देकर भेजते हैं, धन्यवाद नही करवाते हैं। आप फलें यह हरियाणा का आर्शीवाद आपके साथ है। वहीं मंच से रेखा गुप्ता ने कहा कि दोनों प्रदेशों में भाई बहन की जोड़ी विकास का धुआं उठाएगी।

# गांव बडसीकरी कलां में दो पक्षों में हुआ खूनी संघर्ष, दो युवक गंभीर

- दोनों घायलों का इलाज कैथल के नागरिक अस्पताल में चल रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

गांव बडसीकरी कलां में दो पक्षों में लड़ाई में जम कर गंडासियां चलीं। झगड़े में गांव में ही सैलून चला रहे संजय और उसके भाई विनोद को गहरी चोट लगी हैं। दोनों का इलाज कैथल के नागरिक अस्पताल में चल रहा है। गंडासी लगने से गंभीर रूप से घायल संजय ने बताया की वह गांव में किराए की दुकान लेकर अपना सैलून चला रहा है। गांव का ही फौजी है जिसका नाम गुरजीत है जिसे सब जीता कहते हैं उसने उन पर अपने साथियों के साथ मिल कर हमला किया है। संजय ने बताया की जीता फौजी जब भी छुट्टी लेकर गांव में आता है तो गांव की बहु बेटियों के साथ बहुत छेड़छाड़ करता है। इस बार भी उसकी आवारागर्दी लगातार बढ़ रही थी और लड़कियों से बदतमीजी लगातार कर रहा था। उसने व उसके परिजनों ने फौजी को इस बारे बहुत समझाया कि यह गांव की बहु बेटियों की गरिमा का मामला है आपको ऐसा नहीं करना चाहिए।

### मामला दर्ज

कलायत थाना प्रभारी रामनिवास ने बताया की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया की हमले में घायलों के ब्यान लेने के लिए आईओ नागरिक अस्पताल कैथल गए हुए हैं। उनके ब्यानों के बाद मामला दर्ज कर आगामी कार्यवाही अंजाम में लाई जाऐगी।

# फतेहपुर में 17 पशुओं की मौत, 15 की हालत गंभीर

- पूंडरी मंडी के पीछे खराब फिरनी का पड़ा चूरा खाने से हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

फतेहपुर गांव में शुक्रवार शाम दिल दहलाने वाली घटना घटी, जब खराब फिरनी का चूरा खाकर 26 भेड़ और एक बकरी ने दम तोड़ दिया, जबकि 25 अन्य भेड़ें गंभीर रूप से बीमार हो गईं। यह हादसा केवल पशुओं की मौत नहीं, बल्कि भेड़पालकों के लिए जीवनयापन के एकमात्र साधन के खत्म होने जैसा है। पीड़ित भेड़पालक सुभाष और बीरा राम ने बताया कि शाम को जब वे अपनी भेड़ें चराकर लौट रहे थे, तो पूंडरी मंडी के पीछे खराब फिरनी का चूरा पड़ा मिला, जिसे भेड़ों ने खा लिया।

चंद घंटों में ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और सुबह तक कई पशुओं ने दम तोड़ दिया। हमारे लिए ये केवल जानवर नहीं थे, ये हमारे परिवार की रोजी-रोटी थे। ठेके पर भेड़ें पालते हैं और अब तो सब उजड़ गया है। सुभाष और बीरा राम जैसे ग्रामीण पशुपालकों के लिए यह घटना भारी आर्थिक क्षति का कारण बनी है। प्रशासन की लापरवाही, खराब खाद्य सामग्री के खुले में पड़े रहने और खाद्य गुणवत्ता पर सवाल उठाती स्थितियों ने एक बड़ा खतरा उत्पन्न किया है।

**पूंडरी।** गांव फतेहपुर में जानकारी देते पीड़ित भेड़पालक व मृत पशु।

### पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने खोली हकीकत

वेटरनरी डॉक्टर प्रवेश गहलावत ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह सामने आया है कि भेड़ों के पेट में खराब फिरनी के कारण 'फव्वारा' बन गया, जिससे सांस लेने में रुकावट आई और उनकी मौत हो गई। अगर फिरनी खाने के तुरंत बाद भेड़ों ने पानी न पिया होता तो शायद कुछ भेड़ों की जान बच सकती थी।

## वार्ड नंबर एक में लोगों की समस्याएं सुनी, अधिकतर का मौके पर हल

# पूंडरी को विकसित करना ही उद्देश्य: विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

हलका विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य पूंडरी को एक विकसित और आदर्श शहर बनाना है। वह पूरे शहर का योजनाबद्ध तरीके से विकास करवा रहे हैं, जिसमें हर वार्ड को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इसी कड़ी में वह वार्ड नंबर 1 के दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने वार्ड पार्षद सतीश हजवाना की अध्यक्षता में सुरेश रमाना के प्रतिष्ठान पर आयोजित जनसभा को संबोधित किया। विधायक जांबा ने कहा कि प्रदेश सरकार छोटे कस्बों और शहरों के भी समग्र विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं जैसे पीने का पानी, पक्की गलियां, सड़कें, स्ट्रीट लाइट्स और प्रॉपर्टी आईडी जैसी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इस मौके पर वार्डवासियों ने विधायक के सामने अपनी कई समस्याएं रखीं, जिनमें मुख्य रूप से गली-नाली निर्माण, पीने के पानी की कमी, सड़क की दुर्दशा, स्ट्रीट लाइट की खराब व्यवस्था और प्रॉपर्टी आईडी से जुड़ी परेशानियां शामिल थीं। विधायक जांबा ने जनसमस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को फोन कर कई समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करवाया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वार्ड नंबर 1 सहित पूरे क्षेत्र में जो भी अधूरी व्यवस्थाएं हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। पार्षद सतीश हजवाना ने विधायक सतपाल जांबा का स्वागत करते कहा कि वार्ड के लोग सरकार की जनहितैषी नीतियों से अत्यंत प्रभावित हैं और विधायक के नेतृत्व में वार्ड का निरंतर विकास हो रहा है। वार्डवासी विधायक के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं और क्षेत्र के विकास में हरसंभव सहयोग करेंगे। सुरेश रमाना, जसवंत, नसीब ठेकेदार, सतपाल मलिक, नसीब पार्षद व रवि कुमार भी मौजूद थे।

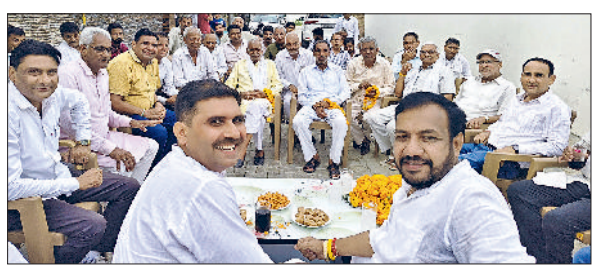

**पूंडरी।** वार्ड नं 1 में आयोजित जनसभा में विधायक सतपाल जांबा।

# गायब युवक का शव नारनौंद के निकट माइनर से बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सफीदों रोड से दो दिन पहले संदिग्ध हालात में गायब हुए युवक का शव नारनौंद के निकट पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूटरी से बरामद हुआ है। फिलहाल पुलिस ने इत्तफाकिया कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव अलेवा निवासी मृतक के पिता सत्यवान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका बेटा हरिओम (24) जींद में सफीदों रोड पर ग्राफिक्स की दुकान पर काम करता था। जो 17 जुलाई को घर से अपने काम पर गया था। जिसके बाद वह दुकान से स्कूटी लेकर निकल गया। उसके बाद उसका बेटा घर वापस नही लौटा। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसके बेटे का कोई सुराग नही लगा। जिसकी शिकायत पर पुलिस से की गई थी। पुलिस ने 18 जुलाई को गुमशुदगी का मामला दर्ज किया था। शुक्रवार देर रात को हरिओम का शव नारनौंद के निकट पेटवाड डिस्ट्रीब्यूटरी से बरामद हुआ। शव को हांसी के नागरिक अस्पताल मे पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। परिजनों ने वहां पर पहुंच कर मृतक की पहचान कर ली है।

## खबर संक्षेप

### जींद में 13 हजार सदस्य बनाएगी एबीवीपी : सैनी

**जींद।** एबीवीपी की विभाग सदस्यता कार्यशाला रोहतक में संपन्न हुई। राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य रोहन सैनी ने बताया कि एबीवीपी हर वर्ष सदस्यता अभियान चला सदस्य बनाती है जोकि इस बार 28 जुलाई से शुरू होने वाला है। सदस्यता तीन चरणों में होगी। जिसमें सबसे पहले स्कूली सदस्यता होंगे व उसके पश्चात कॉलेज व विश्विद्यालय इक्कई पर। रोहन सैनी ने बताया कि एबीवीपी विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। इस बार वह जींद जिले में 13 हजार से अधिक सदस्य बनने का लक्ष्य लेकर छात्रों के बीच जाएगा।

### उर्वरक विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई

**जींद।** कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक गिरीश नागपाल ने बताया कि 12 जुलाई को विभाग की एक निरीक्षण टीम द्वारा जिला जींद में उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान नरवाना स्थित शिव ट्रेडर्स एवं अग्रवाल ट्रेडिंग कंपनी तथा जींद स्थित हरियाणा फर्टिलाइजर्स के यहां भंडारण एवं अभिलेख संधारण में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। उन्होंने बताया कि जांच करने पर यह पता चला कि इन प्रतिष्ठानों द्वारा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है।

### अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसों में दो घायल

**जींद।** जिले में अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसों में दो लोग घायल हो गए। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर फरार वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव हथवाला निवासी जोगेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई मोनू बाइक पर सवार होकर गांव बिश्रपुरा से गुजर रहा था। उसी दौरान दूसरी बाइक ने टक्कर मार दी। जिसमें उसका भाई घायल हो गया। घटना को अंजाम देकर आरोपित फरार हो गया।

### स्वच्छता मामले में जींद का 63वें नंबर पर आना शर्मनाक

**जींद।** इनेलो जिलाध्यक्ष विजेंद्र रेढू ने कहा कि देश का स्वच्छता सर्वेक्षण का परिणाम सामने आया है। जिसमें प्रदेश के 87 में से केवल मात्र 10 निकायों ने ठीक कार्य किया है और 77 का परिणाम खराब रहा। जींद शहर का स्वच्छता के मामले में बहुत ही बुरा परिणाम सामने आया है। और चिंता का विषय इस बात को लेकर के है कि बीते वर्ष जींद शहर की देश में 312वीं रैंक थी जो गिरकर अब 534वीं रैंक पर पहुंच गई है। प्रदेश के लेवल पर 87 निकायों में से जींद को 63 वी रैंक मिलना इस बात को दर्शाता है कि जींद शहर की सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है।

### डा. अंबेडकर वेलफेयर सोसायटी की बैठक आज

**जींद।** डा. बीआर अंबेडकर वेलफेयर सोसायटी कार्यकारिणी की बैठक प्रधान राजेश पहलवान की अध्यक्षता में गुरु रविदास धर्मशाला में हुई। पूर्व महासचिव दलबीर ने बताया कि 20 जुलाई को सुबह 10 बजे आम सभा की बैठक होगी। जिसमें वित्तीय वर्ष 2024-25 का लेखा-जोखा पेश किया जाएगा और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार विमर्श किया जाएगा। प्रधान राजेश पहलवान ने कहा कि बैठक में सभी सदस्य भाग लें।

### रा. प्राथमिक पाठशाला मोहनगढ़ में 6 पंखे दिए

**जींद।** पीएनबी की पटियाला चौक शाखा के ब्रांच मैनेजर भाल सिंह व बैंक के पीओ आकाश ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला मोहनगढ़ में छह पंखे दिए। जिसमें पांच पंखे दीवार पर टांगने वाले हैं और एक छत पर टांगने वाला है। मैनेजर भाल सिंह ने बताया कि इस प्रकार के कार्य बैंक की ओर से अक्सर किए जाते रहते हैं। मा. सुखचैन ने बताया कि गर्मी होने के से स्कूल में पंखों की सख्त जरूरत महसूस की जा रही थी। जिसे पंजाब नेशनल बैंक ने पूरा किया है। मुख्य शिक्षक राजेश ने कहा कि गांव के सरकारी स्कूलों में बहुत ही गरीब परिवारों के बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं।

*गुरु हरकृष्ण साहिब का प्रकाशोत्सव श्रद्धा एवं धूमधाम से मनाया*

# रागी जत्थों ने किया अपनी वाणी से गुरु जी की महिमा का बखान

*मात्र पांच वर्ष की उम्र में ही मिली गुरु की उपाधि : बलविंद्र सिंह*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

आठवीं पातशाही एवं बाला प्रीतम गुरु हरकृष्ण साहिब का प्रकाशोत्सव स्थानीय ऐतिहासिक गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब में श्रद्धा एवं धूमधाम से मनाया गया। प्रकाशोत्सव के उपलक्ष में गुरुद्वारा साहिब में धार्मिक दीवान सजाया गया। जिसमें बाहर से ढाढी जत्थों, धर्म प्रचारकों व रागी जत्थों ने गुरु हरकृष्ण साहिब के जीवन से संबंधित प्रसंगों को सुना कर संगतों को निहाल किया गया। गुरुघर के प्रवक्ता बलविंद्र सिंह ने बताया कि दीवान के आरंभ में गुरुद्वारा साहिब के रागी भाई जसबीर सिंह रमदसिया, भाई कर्मजीत सिंह, भाई मनप्रीत सिंह के रागी जत्थे द्वारा गुरबाणी शब्द गायन किए गए हैं। गुरुद्वारा साहिब के हैडग्रंथी एवं प्रसिद्ध कथावाचक ज्ञानी गुरविंदर सिंह रत्तक ने अपने प्रवचनों में गुरु साहिब की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी तरह का परोपकारी कार्य करते समय हमें ऊंच-नीच का भेदभाव नही करना चाहिए। उन्होंने बताया कि आध्यात्मिक दृष्टि से गुरु को रूप की संज्ञा दी गई है ना कि शरीर की। गुरुजी ने अपना सारा जीवन दूसरों की सेवा में लगा कर मानवता की सेवा की मिसाल कायम की। इसके बाद धर्म प्रचार कमेटी से आए भाई जसबीर सिंह के ढाढी जत्थे ने अपनी ढाढी के वारों में गुरु हरकृष्ण साहिब की जीवनी को पिरोकर संगतों को सुना कर निहाल कर दिया। धार्मिक दीवान के अंत में गुरुद्वारा छठी एवं नौंवी पातशाही गुहला चीका से आए भाई गुरप्रीत सिंह के रागी जत्थे ने निरोल गुरबाणी कीर्तन गायन करके संगतों का मन मोह लिया। दीवान की समाप्ति पर गुरु का अटूट लंगर संगतों में बरताया गया।

**जींद।** भाई जसबीर सिंह रमदसिया का हजूरी रागी जत्था गुरबाणी कीर्तन गायन करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

### सबसे छोटी उम्र के गुरू बने हरकृष्ण

गुरूघर के प्रवक्ता बलविंदर सिंह ने गुरू हर कृष्ण साहिब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरू जी का जन्म कीरतपुर साहिब में सातवें गुरू गुरू हरराय जी के घर हुआ था। छोटी उम्र में उनकी आध्यात्मिक विशेषताओं को देखते हुए गुरु हरराय ने पांच वर्ष की आयु में गुरु हर कृष्ण साहिब को गुरू की उपाधि प्रदान की। इस तरह गुरू हरकृष्ण सिख गुरुओं में सबसे छोटी उम्र के गुरू बने। अपने दिल्ली प्रवास के दौरान गुरू हरकृष्ण साहिब ने आध्यात्मिक योग द्वारा हजारों दीन व दुखियों की सेवा करके उन्हें दुख मुक्त किया। उनके समय में दिल्ली में चेचक जैसा गंभीर रोग फैल गया तथा गुरू हरकृष्ण साहिब चेचक के रोगियों की सेवा करते हुए खुद चेचक रोग का शिकार हो गए। उनकी याद में नई दिल्ली में सिख संगतों द्वारा गुरुद्वारा बंगला साहिब का निर्माण करवाया गया। जहां आज भी सभी समुदायों के हजारों लोग प्रतिदिन अपनी मन्नतें मांगने व मन्नत पूरी होने पर श्रद्धापूर्वक शीश झुकाते हैं।

# तीरंदाजी में यश्वी ने जीता सिल्वर पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सोनीपत में आयोजित राज्यस्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में यश्वी ने द्वितीय व चिराग ने 30वां स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम किया रोशन किया है। सुप्रीम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र यशवी कक्षा 7वीं एवं चिराग कक्षा 5वीं ने 14 जुलाई से 18 जुलाई तक सोनीपत स्थित पुराण मूर्ति ग्लोबल स्कूल में आयोजित राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यश्वी ने प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं चिराग ने 30वीं रैंक हासिल की। जोकि इस उम्र में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इन दोनों खिलाडिय़ों की इस सफलता पर विद्यालय में हर्ष और गर्व का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य सत्येन्द्र त्रिपाठी ने यशवी और चिराग को विद्यालय प्रांगण में सम्मानित करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी न केवल शिक्षा बल्कि खेलों में भी उत्कृष्टता की ओर अग्रसर हैं। यह उपलब्धि समर्पण, अनुशासन और सतत अभ्यास का परिणाम है। विद्यालय को इन पर गर्व है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय अध्यक्ष डा. डीपी जैन, उपाध्यक्ष बलवान कौशिक तथा मैनेजिंग डायरेक्टर शरत अत्री ने भी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की। छात्रों की इस उपलब्धि में शारीरिक शिक्षक राजेंद्र कुमार तथा कोच योगेश शर्मा के मार्गदर्शन और प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दोनों प्रशिक्षकों को भी विद्यालय प्रबंधन द्वारा विशेष रूप से बधाई दी गई। विद्यालय परिवार ने यश्वी व चिराग के उज्ज्वल भविष्य और नई ऊंचाइयों की कामना करते हुए उन्हें आगे की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी।

दरोली खेड़ा के ओम इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित परामर्श कार्यक्रम।

### कायाबी के लिए ज्ञान जरूरी: नीरज

**उचाना।** दरोली खेड़ा के ओम इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा स्थापित मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र में परामर्शदाता नीरज कुमार ने किशोर विद्यार्थियों को बताया कि किसी भी क्षेत्र में कामयाबी हेतु संबंधित विषय का ज्ञान व उसमें रुचि बहुत जरूरी है। किशोरावस्था में भावनात्मक भटकाव हमें हद से ज्यादा परेशान करता है। हमें भावनात्मक मजबूती के लिए खुद को समझना होगा और सही दिशा देनी होगी। क्योंकि हम सभी सामाजिक प्राणी हैंए इसलिए आपसी व्यवहार में भावनाओं का बहुत महत्व होता है। नीरज ने बताया कि किशोरावस्था में भावनात्मक विकास के साथ हार्मोनल बदलाव भी चलता रहता है। जिसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आपके घरेलू सामाजिक वातावरण और हमसमूह की रहती है। इसलिए हमेशा खुद को बेहतर व सार्थक बनाने के साथ-साथ दूसरों की मदद करते सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें। प्राचार्या डिंपल अरोड़ा ने बताया कि विद्यालय में प्रभावशाली तरीके से कार्य करते निरंतर मनोवैज्ञानिक परामर्श सेवाओं के द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया जा रहा है।

### अंडर ग्रेजुएट दाखिला प्रक्रिया दोबारा 21 जुलाई को

**नरवाना।** हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग पंचकूला के निर्देशानुसार अंडर ग्रेजुएट दाखिला प्रक्रिया के लिए के एम राजकीय महाविद्यालय नरवाना में 21जुलाई से विभिन्न कोर्सों में बची हुई खाली सीटों को उनकी कैटेगरी में देकर नियमानुसार सामान्य कैटेगरी में आबंटित किया जाएगा। इन्हें फिजिकल काउंसलिंग द्वारा प्रतिदिन भरा जाएगा। दाखिला प्रक्रिया के नोडल अधिकारी प्रो. मोहित ने बताया कि 21 जुलाई से ही अंडरग्रैजुएट में दाखिला ले चुके विद्यार्थियों के डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन भी की जाएगी । रजिस्ट्रेशन करवाते समय विद्यार्थियों ने जो डॉक्यूमेंट लगाए थे सभी ओरिजिनल डाक्यूमेंट्स छात्रों को कमेटी के सामने प्रस्तुत करने होंगे। दाखिला नोडल ने बताया कि स्नातकोत्तर कक्षाओं के दाखिले भी शुरू हो चुके हैं। महाविद्यालय में एम, अंग्रेजी, एमए हिंदी, एमए पॉलिटिकल साइंस एमए हिस्ट्री एम कॉम व एमएससी केमिस्ट्री में ऑनलाइन फॉर्म अप्लाई कर सकते हैं। कॉलेज प्राचार्या डॉ मीनू सिंह ने कहा कि विभाग के दिशा निर्देशानुसार फिजिकल काउंसलिंग व डाक्यूमेंट्स वैरिफिकेशन की प्रक्रिया को समुचित ढंग से पूर्ण करवाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं।

### पेड़ प्रकृति का श्रृंगार: नायब तहसीलदार

**उचाना।** गांव घोघडिया गांव में म्हारा हरा भरा उचाना स्कीम के तहत पौधारोपण अभियान शुरू हुआ। नायब तहसीलदार सुरेश कुमार ने त्रिवेणी वृक्ष लगा कर अभियान का शुभारंभ किया। अध्यक्षता गांव के सरपंच दीपक कुमार ने की। सरपंच दीपक कुमार ने बताया कि वे गांव में 20 त्रिवेणी वृक्ष लगाएंगे। हर व्यक्ति को जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। नायब तहसीलदार ने कहा कि पेड़ प्रकृति का श्रृंगार हैं। उन्होंने आगाह किया कि आधुनिकता की चकाचौंध में प्रकृति का दोहन नहीं करना चाहिए। उचाना साहित्य सेवी संगठन के महासचिव माणामप्रसाद ने बताया कि यह अभियान 2021 में तत्कालीन एसडीएम राजेश खोथ ने शुरू किया था। पिछले पांच वर्षों में उचाना प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से उपमंडल में 10 हजार पौधे लगाए गए हैं।

उचाना। पौधरोपण करते नायब तहसीलदार सुरेश कुमार। *फोटो :हरिभूमि*

उचाना। घोघडिया में आयोजित नशा मुक्ति कैंप। *फोटो :हरिभूमि*

### गांव घोघड़िया में नशा मुक्ति कैंप लगा

**उचाना।** गांव घोघड़िया गांव में नशा मुक्ति कैंप आयोजित किया गया। नशा मुक्ति टीम इंचार्ज उपनिरीक्षक नरेश कुमार अपनी टीम के साथ पहुंचे। आयुर्वेदिक चिकित्सक डा. मीना रानी, योग सहायक, सरपंच संदीप, रणधीर, महाबीर, राजकुमार, चौकीदार एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। कैंप में 23 नशा पीड़ित युवाओं ने पंजीकरण करवाया। जिनमें 11 ड्रग्स पीड़ित एवं 12 अत्यधिक शराब का सेवन करने वाले युवा शामिल रहे। सभी का मौके पर ही उपचार आरंभ कर दिया गया। डा. मीना रानी, योग सहायक आरती, ग्राम पंचायत के सदस्य एवं नशा मुक्ति टीम की सक्रिय सहभागिता रही। योग सहायक आरती द्वारा नशा पीड़ितों को योग एवं ध्यान के माध्यम से मानसिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए गए। नरेश ने जानकारी दी कि घोघडिया गांव में डोर टू डोर सर्वे के माध्यम से नशा पीड़ितों की पहचान की गई थीद्ध जिसके बाद यह विशेष शिविर आयोजित किया गया। एडीजीपी हिसार मंडल से ड्रग प्रभावित गांवों में सुधार हेतु निर्देश प्राप्त हुए हैं। जिनके तहत क्षेत्र में लगातार इस प्रकार के शिविर लगाए जा रहे हैं।

### छात्रों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

**जींद।** भाविप भूतेश्वर शाखा द्वारा शनिवार को राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल शामदो में गुरुवंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों को फूलों की माला पहना कर, उनके पैर छूकर कर एवं भावनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से सम्मान प्रकट किया। परिषद द्वारा समस्त शिक्षकों को सम्मान प्रतीक भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। भाविप भूतेश्वर शाखा जींद द्वारा ऐसे गुरुवंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम विभिन्न विद्यालयों में निरंतर आयोजित किए जाते हैं। जिससे गुरु-शिष्य परंपरा सशक्त होती है और विद्यार्थियों में संस्कारों की नींव मजबूत होती है। शाखा अध्यक्ष नारिश रोहिल्ला ने कहा कि समाज से जो मिला है, उसे समाज को लौटाना ही सच्ची सेवा है। इस अवसर पर प्रो. ओपी गुप्ता ने बच्चों एवं शिक्षकों को भारत विकास परिषद की रीति, नीति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि परिषद न केवल सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों की रक्षा करती है बल्कि शिक्षा, सेवा, संस्कार और सहयोग के चार स्तंभों पर समाज निर्माण का कार्य करती है।

जींद। पौधारोपण करते हुए टीम। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता। *फोटो :हरिभूमि*

### पोकरीखेड़ी में पौधरोपण किया

**जींद।** खेल नर्सरी में कोच रविंद्र के साथ मिलकर गांव की लड़कियों की कबड्डी टीम ने त्रिवेणी लगाई। कोच रविंद्र दुल ने बताया कि एक खिलाड़ी को खेल के साथ साथ प्राकृति प्रेमी भी होना चाहिए। बच्चों में प्रकृति के प्रति जितनी जागरूकता उतना ही अच्छा होगा। जिस तरह हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। यह किसी न किसी के द्वारा लगाए गए पौधों के कारण ही है जो आज पेड़ बन कर हमें अच्छी हवा प्रदान करते हैं। इसलिए हम सभी का यह कर्तव्य बनता है कि हमें कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए और उसकी देख भाल करनी चाहिए।

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रणबीर राठी। *फोटो :हरिभूमि*

### योग को जीवन में स्थान दें : रणबीर

**जींद।** सुप्रीम स्कूल में प्रेरणादायक सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें रणबीर सिंह राठी ने छात्रों को व्यसन से दूर रहने और योग को जीवन शैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस सत्र में छात्रों ने डा. राठी के शब्दों और गहन अंतर्दृष्टि से बहुत कुछ सीखा। डा. राठी ने अपने संबोधन में कहा कि आपका भविष्य आपके आज के निर्णयों पर निर्भर करता है। उन्होंने छात्रों से अनुशासन, सचेतनता और अच्छे स्वास्थ्य वाला जीवन चुनने का आग्रह किया। उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे यह न केवल शरीर को मजबूत बनाता है बल्कि मन को भी तेज करता है और आत्मा को ऊपर उठाता है। सुप्रीम स्कूल के प्रधानाचार्य डा. सतेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि उनकी प्रेरणादायक उपस्थिति और सकारात्मक ऊर्जा के लिए हम आभारी हैं।

# मोरखी से भंभेवा सड़क मार्ग जर्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव मोरखी के लोगों ने जर्जर सड़क को ठीक करने की मांग की है। पीडब्ल्यूडी बीएंडआर के कार्यकारी अभियंता को दी शिकायत में कहा कि उनके गांव से भंभेवा को सड़क निकली है। गांव में पशु अस्पताल के पास सड़क काफी जर्जर हालत में है। ग्रामीण बिजेंद्र सिंह, महासिंह, दीपक, मोहित, सरपंच सरीता, साजिद, शुभम और बलवान ने कहा कि जर्जर सड़क में काफी गड्ढे हो चुके हैं। इसमें गंदे पानी भरा रहता है। टूटी सड़क से कई बार वाहन चालक गिर कर चोटिल हो चुके हैं। ऐसे में विभाग के अधिकारियों से अनुरोध है कि जर्जर सड़क की मरम्मत की जाए और गड्ढों को भरा जाए ताकि वाहन चालक चोटिल होने से बच सकें और ग्रामीणों को कोई परेशानी नही हो। इस सड़क पर पशु अस्पताल है। बीमार पशुओं को दिखाने के लिए जाते समय पशु पालकों को परेशानी होती है। इस समय बारिश का मौसम है। सड़क पर गंदा पानी जमा होने से डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारी होने का डर बना रहता है। ऐसे में ग्रामीणों के हित के लिए चाहिए कि जल्द समस्या का समाधान किया जाए।

जींद। गंदे पानी को लेकर रोष जताते हुए ग्रामीण। *फोटो :हरिभूमि*

नरवाना। जागरूकता रैली निकालते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

### मोबाइल की लत में डूबे आज के युवा

**नरवाना।** युवा वर्ग तकनीक के युग में पला.बढ़ा है लेकिन इसी मोबाइल फोन की लत ने युवाओं को एक नई लत की गिरफ्त में ले लिया है। दिनभर स्क्रीन पर आंखें गड़ाए युवा न तो परिवार के साथ समय बिता पा रहे हैं न ही समाजिक गतिविधियों में रुचि ले रहे हैं। सुबह उठते ही सोशल मीडिया चेक करना और रात में देर तक मोबाइल पर लगे रहना अब आम हो गया है। विशेषज्ञों के अनुसारए अत्यधिक मोबाइल उपयोग से युवाओं में मानसिक तनाव अकेलापन नींद की कमी आंखों की रोशनी पर असर और पढ़ाई में गिरावट जैसी गंभीर समस्याएं देखने को मिल रही हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की और से बताया गया हैं की मोबाइल की लत धीरे.धीरे युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है। कई मामलों में डिप्रेशन और एंग्जायटी के लक्षण भी देखने को मिले हैं। कई युवा खुद भी इस लत को समझने लगे हैं। कुछ युवाओं का कहना है की शुरुआत में मनोरंजन लगता था अब समझ आता है कि ये लत बन चुकी है।

*छात्रों ने शूटिंग में स्टेट लेवल पर हासिल की सफलता, अब खेलेंगे नेशनल*

# मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी छाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने शूटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर (स्टेट लेवल) की प्रतियोगिता में शानदार सफलता प्राप्त की है। अब ये प्रतिभाशाली विद्यार्थी आगामी राष्ट्रीय स्तर (नेशनल लेवल) की शूटिंग प्रतियोगिता में विद्यालय और क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। स्कूल के बच्चों ने राज्य स्तर पर शूटिंग प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और शानदार प्रदर्शन करते हुए नेशनल के लिए क्वालिफाई किया। इनमें रिद्धम, प्रणन्या, स्नेहा, संजीत, आराध्य, आर्यन कश्यप इन सभी विद्यार्थियों ने अत्यंत कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के साथ अपनी प्रतिभा को साबित किया है। शूटिंग जैसे तकनीकी खेल में अनुशासन, फोकस और आत्मनियंत्रण की विशेष आवश्यकता होती है और इन विद्यार्थियों ने इन सभी गुणों का प्रदर्शन करके यह सिद्ध कर दिया कि वे राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के पूरी तरह से योग्य हैं। इन छात्रों को प्रशिक्षण देने और मार्गदर्शन करने में कोच अंकित रंधावा की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। उन्होंने अपनी देखरेख में बच्चों को न केवल तकनीकी प्रशिक्षण दिया बल्कि मानसिक रूप से भी उन्हें मजबूत बनाया। जिससे वे दबाव की स्थिति में भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सकें। प्रबंध समिति अध्यक्ष संदीप दहिया एवं प्राचार्य रविंद्र कुमार ने विद्यालय पहुंचने पर सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि यह हमारे विद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। हमारे छात्र सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नही है बल्कि खेलों में भी अपना परचम लहरा रहे हैं। शूटिंग एक ऐसा खेल है जो बच्चों में एकाग्रता, आत्म नियंत्रण और समय प्रबंधन का विकास करता है। हमारे विद्यार्थियों ने यह दिखा दिया है कि वे किसी भी स्तर पर चुनौती का सामना कर सकते हैं। प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों से अपील की कि वे इन खिलाडिय़ों से प्रेरणा लें और खेलों में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

जींद। प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। मस्ती की पाठशाला कार्यक्रम में मौजूद बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

### जीवन कौशल के महत्व की दी जानकारी

**जींद।** सफीदों रोड स्थित विवेकानंद विद्या निकेतन में मस्ती की पाठशाला शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मनोवैज्ञानिक नरेश जागलान ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों की शिक्षा को तनावमुक्त, रचनात्मक एवं आनंददायक बनाना रहा। मनोवैज्ञानिक नरेश जागलान ने छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच और जीवन कौशल के महत्व के बारे में सरल और प्रभावशाली ढंग से बताया। इस कार्यशाला में संवादात्मक गतिविधियां, मनोरंजक अभ्यास, प्रेरणादायक कहानियां एवं समूह चर्चाओं के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को मानसिक रूप से सशक्त करने का प्रयास किया गया। कहा कि सीखना तब प्रभावी होता है, जब उसमें मस्ती और रुचि हो। हमारी पाठशालाएं तब ही सफल होंगी जब बच्चे खुद सीखने के लिए उत्सुक हों और शिक्षक उन्हें समझदारी से मार्गदर्शन दें। विवेकानंद विद्या निकेतन की प्राचार्या मनजीत श्योकंद ने बताया कि बचपन बहुत अल्हड़ और मासूम होता है। इनको जबरदस्ती कुछ नहीं सिखाया जा सकता है। इस प्रकार की कार्यशाला के माध्यम से बच्चों में नैतिकता, ईमानदारी, जिम्मेदारी व अच्छी आदतें आसानी से सिखाई जा सकती हैं।

## खबर संक्षेप

### कैथल से माता श्री नैना देवी मंदिर जाना आसान

**कैथल।** रेल यात्री कल्याण समिति के बींपतउंद सतपाल गुप्ता ने एक भेंट में बतलाया कि अब कैथल से माता श्री नैना देवी मंदिर हिमाचल प्रदेश जाना कैथल के लोगों के लिए बेहद आसान हो गया है। हाल ही में चली नई ट्रेन नंबर 64563 व 64564 रायपुर हरियाणा हिसार अम्बा एंडौरा जो की सुबह 5:00 बजे कैथल में चलती है चंडीगढ़ होती हुई आनंदपुर साहब दोपहर 12:45 पर पहुंचती है जिसका किराया चंडीगढ़ केवल 45 और आनंदपुर साहब केवल 50 है अर्थात गरीब यात्रियों के लिए साधारण किराये में मेल ट्रेन का लाभ मिलेगा।

### शिव भक्तों की सेवा में जुटे समाजसेवी रामचंद्र

**ढांड।** कांवड़ यात्रा के पावन अवसर पर समाजसेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए पूर्व हैफेड डायरेक्टर एवं प्रसिद्ध समाजसेवी रामचंद्र जडौला ने ढांड स्थित राधाकृष्ण धर्मशाला में शिव कांवड़ सेवा संघ द्वारा संचालित भंडारे में पहुंचकर शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा की। श्रद्धापूर्वक भोलेनाथ का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद लिया और कांवड़ियों को अपने हाथों से प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर समाजसेवी रामचंद्र जडौला ने कहा कि "कांवड़ियों की सेवा करना स्वयं भगवान शिव की सेवा के समान है। देवों के देव महादेव की महिमा अनंत है और जो भी श्रद्धा भाव से उनकी शरण में आता है, भोलेनाथ उसकी रक्षा अवश्य करते हैं।

### डीएसपी के आश्वासन पर माने

# गांव सेरधा में प्राध्यापक से मारपीट के विरोध में लगाया जाम, जमकर नारेबाजी

समस्या का हल ना होने पर पूरे प्रदेश में प्राइवेट स्कूल बंद करने की बात कही।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद। जाम लगा रहे लोगों को समझाते डीएसपी ललित कुमार। फोटो : हरिभूमि

■ डी एस पी ललित कुमार ने समझाकर खुलवाया जाम

गांव सेरधा मे स्कूल अध्यापक के साथ गांव के कई युवकों ने मारपीट व हाथा पाई कर घायल कर दिया था। जब गांव वाले आए बिच बचाव के लिए कुछ हमलावर भाग गए थे। स्कूल स्टॉफ की तरफ से पीड़ित का मेडिकल करवाकर पुलिस को सुचना दी गईं लेकिन पुलिस कार्यवाही संतुष्ट ना होने पर कल सुबह भी अध्यापक तालमेल कमेटी एस एम सी कमेटी व ग्रामीणों ने स्कूल के मुख्य गेट को ताला लगाकर अनिश्चित कालीन धरना लगा दिया। जिस पर प्रशासन की तरफ से गत दिवस भी प्रयास किया गया की धरना उठवाया जाए । लेकिन धरना स्थल पर मौजूद अध्यापक तालमेल कमेटी एस एम सी कमेटी व ग्रामीण प्रशासन की बात ना मानते हुए धरने पर जमे रहे। शनिवार को सुबह से अध्यापक के जत्थे धरना स्थल पर पहुंचने लगे। जिला कैंथल के अलावा जींद जिला से भी अनेको अध्यापक धरना स्थल पर पहुंचे। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन कि तरफ से धरना स्थल पर पहुंच कर हर प्रकार सहयोग व समर्थन देने के लिए प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के चेयरमैन प्रदीप कसान भी धरना स्थल पर पहुंचे व समस्या का हल ना होने पर पूरे प्रदेश में प्राइवेट स्कूल बंद करने की बात कही। धरना स्थल पर पहुंचे सभी वक्ताओं ने स्कूल अध्यापकों के लिए सेफ्टी एक्ट बनाने की बात कही जब तक आरोपियों को गिरफ्तार कर उचित कार्यवाही नहीं की जाएगी धरना जारी रहेगा। लेकिन डीएसपी ललित कुमार ने धरना स्थल पर पहुंच कर अध्यापक तालमेल कमेटी एसएमसी कमेटी व ग्रामीणों समझाते हुए बातचीत का सुझाव दिया। जिस पर धरना स्थल पर मौजूद सभी संगठनों ने एकांत मे गहन विचार विमर्श किया तथा डी एसपी के साथ हुई बातचीत से ग्रामीणों को अवगत करवाया। जिस सभी ने सहमति से पुलिस को एक सप्ताह का समय दिया गया जिसमे अपराधियों को गिरफ्तार करने की बात खुद डीएसपी ने कबूलते हुए कहा की एक सप्ताह का तो समय है जबकि परिणाम जल्द ही सबके सामने होगा व सोमवार से स्कूल में प्रशासन द्वारा उठाए गए कदम आपके सामने होंगे। जिस पर अध्यापक तालमेल कमेटी सहित सभी संगठनों व ग्रामीणों ने जाम खुलवा दिया। बातचीत के अनुसार कार्यवाही ना होने पर फिर से अपने स्तर पर विचार विमर्श कर आगामी कदम उठाने की बात कही।

#### दो आरोपित गिरफ्तार

गांव सेरधा में अध्यापक से मारपीट करने के मामले की जांच थाना राजौंद पुलिस के पीएसआई सुनील कुमार की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव सेरधा निवासी अभिमन्यु तथा अमन को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेरधा सरकारी स्कूल में कार्यरत अध्यापक सुरेंद्र पीजीटी केमिस्ट्री की शिकायत अनुसार 17 जुलाई करीब 2-40 बजे स्कूल के पास उक्त दोनो युवकों के साथ अन्य युवको द्वारा उस पर जानलेवा हमला किया गया। जिस बारे थाना राजौंद में मामला दर्ज किया गया था। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि 15 जुलाई को अभिमन्यु किसी काम से स्कूल गया था, जो किसी बात को लेकर उनकी कहासुनी हो गई। फिर 17 तारीख को स्कूल के पास दोनों मिले तो उनकी आपस में कहासुनी हो गई तथा उस वक्त अमन भी साथ था। दोनो आरोपी शनिवार को अदालत में पेश किए जाएंगे, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

राजौंद। रोष प्रदर्शन के दौरान शिक्षक।

## प्राध्यापक से मारपीट के विरोध में शिक्षकों ने बांधी काली पट्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

■ अब अपने आत्म-सम्मान और सुरक्षा के मुद्दों पर चुप नहीं बैठेंगे

सेरहदा गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक प्राध्यापक के साथ कुछ शरारती तत्वों द्वारा की गई मारपीट की घटना ने शिक्षकों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। इस घटना के विरोध में शिक्षक तालमेल कमेटी और हसला कलायत संगठन के आह्वान पर शुक्रवार को पूरे पूंडरी खंड के सभी विद्यालयों में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया।प्रत्येक विद्यालय में सभी प्राध्यापकों एवं शिक्षकों ने अपने-अपने शिक्षण कार्यों के साथ-साथ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराया। शिक्षकों ने कक्षाओं में भी काली पट्टी पहनकर शिक्षा दी, जिससे विद्यार्थियों के बीच भी संदेश गया कि शिक्षक अपने सम्मान और सुरक्षा को लेकर सजग हैं। शिक्षकों का कहना है कि विद्यालय परिसर में इस प्रकार की घटनाएं न केवल एक शिक्षक का अपमान हैं, बल्कि सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली पर आघात हैं। विरोध प्रदर्शन के माध्यम से उन्होंने प्रशासन से यह मांग की कि दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए तथा शिक्षकों की सुरक्षा के लिए ठोस नीति बनाई जाए।शिक्षक नेताओं ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि उचित कार्रवाई नहीं हुई तो विरोध को और तेज़ किया जाएगा, जिसकी रूपरेखा जल्द घोषित की जाएगी।यह सांकेतिक प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, लेकिन इसने प्रशासन को यह स्पष्ट संकेत दे दिया कि शिक्षक अब अपने आत्म-सम्मान और सुरक्षा के मुद्दों पर चुप नहीं बैठेंगे।

## पौधरोपण करने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

पौधारोपण करते नरेश ढांडा। फोटो : हरिभूमि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान को प्रोत्साहित करते नरेश ढांडा ने जन्मदिवस के अवसर पर अपनी स्वर्गीय माता श्रीमती नरमा देवी जी की स्मृति में पौधारोपण किया। यह पौधारोपण जिप चेयरमैन कर्मबीर कौल की उपस्थिति में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, कौल के सेकंड गेट के निकट किया गया। नरेश ने कहा कि मां जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा होती हैं। स्वर्गीय माता नरमा देवी के आशीर्वाद और उनकी स्मृति में पौधारोपण कर उन्होंने अपने जन्मदिवस को समाज और पर्यावरण के नाम समर्पित किया है। कहा कि हर व्यक्ति को जीवन के विशेष अवसरों पर पौधरोपण कर धरती मां और पर्यावरण के प्रति अपना दायित्व निभाना चाहिए। चेयरमैन कर्मबीर कौल ने पहल की सराहना करते कहा कि यह एक प्रेरणादायक कदम है। मां के नाम पौधारोपण से समाज में सकारात्मक संदेश देना सराहनीय कार्य है।

## लघु नाटिका में छात्रों ने जमाया रंग

**राजौंद ।** आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में प्राचार्य ओ पी शर्मा के नेतृत्व में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने सुंदर-सुंदर प्रस्तुतियां दीं। नृत्य समूह गीत तथा नाटक ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में छुपी प्रतिभा को मंच प्रदान करना तथा उनमें आत्मविश्वास का संचार करना था। प्राचार्य ओ पी शर्मा ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों की मेहनत की सराहना की तथा शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों को धन्यवाद दिया जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य किया। इस अवसर पर प्रवेश, सुनीता मलिक , लवप्रीत तथा बारू राम सर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया ।

## नगरपालिका प्रशासन ने अवैध रूप से चल रहे व्यापारिक प्रतिष्ठान को किया सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

प्रतिष्ठान को सील करने के बाद मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते अधिकारी।

गुहला चीका नगरपालिका की भूमि में पिहोवा रोड वार्ड नंबर 17 में अवैध रूप से चल रहा एक व्यापारिक प्रतिष्ठान सील कर दिया गया है। जानकारी देते हुए नपा सचिव जितेंद्र शर्मा ने बताया कि उक्त व्यापारिक स्थल में संबंधित व्यक्ति ने काम शुरू करने से पहले न तो सीएलयू की मंजूरी ली थी और न ही उसके पास प्रदूषण सर्टिफिकेट आदि सहित कई अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं थे। उन्होंने बताया कि चीका शहर के राजपाल नामक एक व्यक्ति ने उक्त व्यापारिक स्थल के अवैध रूप से चलाए जाने की शिकायत की थी, जिस पर कार्रवाई करते हुए उस व्यापारिक स्थल को सील कर दिया गया। इस मौके पर बने प्रतिष्ठान पर एक नोटिस चिपकाकर आमजन को आगाह किया गया कि उक्त व्यापारिक प्रतिष्ठान को नगरपालिका अधिनियम-1973 की धारा के तहत चीका नपा द्वारा सील किया गया है।

### प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष से की बातचीत

**कैथल।** नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उनके निज आवास पर स्नेहिल व शिष्टाचार मुलाक़ात कर सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की और अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद के पदाधिकारियों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पगड़ी पहनाई और महाराजा सूरजमल की तस्वीर भेंट की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों व सामाजिक नेटवर्क के बारे में विस्तृत जानकारी दी जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ने अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद के सामाजिक कार्यों की प्रशंसा व सराहना की। हरियाणा के अध्यक्ष सुरेश सिरोही 'जैलदार', राष्ट्रीय महासचिव मनोज चहल कोटड़ा, अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामावतार पलसानिया, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष मनु चौधरी 'दाँतल', हरियाणा के अध्यक्ष सुरेश सिरोही 'जैलदार', हरियाणा के संयोजक भवानी सिंह किरमारा, प्रदेश महासचिव विश्वेंद्र बालियान, राजस्थान के युवा नेता रमेश जाजुंदा, प्रदेश सचिव शिवेंद्र पँवार, बड़े भाई रविंद्र सिंह चौहान जी, बड़े भाई सुनील राठी जी, राकेश गोदारा सहित गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से बातचीत करते सुरेश सिरोही जैलदार तथा मनोज चहल कोटड़ा।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत से भेंट करते विधायक सतपाल जांबा ।फोटो : हरिभूमि

## गुजरात के राज्यपाल से मिले विधायक जांबा

**पूंडरी ।** विधायक सतपाल जांबा ने कुरुक्षेत्र स्थित गुरुकुल में गुजरात के राज्यपाल एवं प्राकृतिक खेती के प्रखर समर्थक आचार्य देवव्रत से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि प्रणाली, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि आचार्य देवव्रत जी द्वारा देशभर में प्राकृतिक खेती को लेकर जो नवाचार किए जा रहे हैं, वे वास्तव में जनप्रतिनिधियों, किसानों और पर्यावरण प्रेमियों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा प्राकृतिक खेती केवल एक कृषि पद्धति नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती को संवारने का एक युगांतकारी प्रयास है। सतपाल जांबा ने यह भी कहा कि हरियाणा के गांवों में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करना उनका संकल्प है, और आचार्य देवव्रत जी का मार्गदर्शन इस दिशा में बेहद उपयोगी रहेगा। आचार्य देवव्रत ने विधायक सतपाल जांबा की ग्रामीण विकास, स्वच्छता अभियान और जनकल्याण कार्यों की सराहना की।

## डीएवी स्कूल में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

शिविर में संबोधित करते हुए डॉ पूजा छाबड़ा। फोटो : हरिभूमि

सीबीएसई बोर्ड नई दिल्ली के निर्देशानुसार आज डीएवी पब्लिक स्कूल पुंडरी में कक्षा नर्सरी से दसवीं तक के शिक्षकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य विषय को लेकर अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की प्राचार्य साधना बक्शी ने की इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉक्टर संदीप कुमार व पूजा छाबड़ा शामिल हुई । प्राचार्य ने रिसोर्स पर्सन का विशेष तौर से स्वागत किया । कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया । इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों को प्रोजेक्टर के माध्यम से अवगत करवाते हुए रिसोर्स पर्सन ने बताया की एक अध्यापक को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की पहचान करके और उनके प्रभावी समाधान के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित करने में उनकी मदद की जानी चाहिए। इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य न केवल मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना है, बल्कि डिजिटल उपकरणों के उपयोग को प्रोत्साहित करने और कक्षा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए प्रभावी शिक्षण पद्धतियाँ भी विकसित करना है। अवसर पर प्राचार्य साधना बक्शी ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षक विभिन्न शिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने और छात्रों में भावनात्मक सोच, जुड़ाव और सीखने के कौशल को बढ़ावा देने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होंगे। कक्षा 11वीं व 12वीं के शिक्षक रोहतक में कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गए हुए थे।

### राजकीय कन्या वमावि में संस्कृत सम्भाषण शिविर का शुभारम्भ

# संस्कृत नैतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए आवश्यक: डॉ. शर्मा

संस्कृत रोजगार के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाती है जिसकी आज के समय में उपयोगिता बढ़ी

■ कन्या विद्यालय कैथल में संस्कृत सम्भाषण शिविरों में 130 छात्राएं कर रही प्रतिभागिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैथल में दो सप्त दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविरों का शुभारम्भ हुआ,यह शिविर 24 जुलाई तक चलेंगे। दीप प्रज्वालन एवं सरस्वती वन्दना से उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

विद्यालय की संस्कृत शिक्षिका सुमन तंवर ने उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का परिचय एवं स्वागत करते हुए शिविर के उद्देश्यों को विद्यार्थियों के समक्ष रखा और कहा कि वर्तमान समय में भारतीय मूल्यों एवं संस्कारों से जुड़े रहने के लिए संस्कृत की अत्यधिक उपयोगिता है। शिविर के उद्घाटन पर संस्कृतभारती के प्रान्त प्रशिक्षण प्रमुख एवं महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय कैथल के ज्योतिष विभाग के आचार्य डॉ. नवीन शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की । उन्होंने अपने वक्तव्य में संस्कृतभारती वैश्विक संगठन का परिचय दिया कि कैसे संगठन जन-जन तक संस्कृतभाषा पहुंचाने हेतु कार्य कर रहा है ।

उन्होंने संगठन के द्वारा चलाए जाने वाले संस्कृत सम्भाषण शिविरों प्रबोधन वर्गों एवं प्रशिक्षण वर्गों सम्बन्धी विषय से भी शिविरार्थियों को रूबरू कराया। श्रावणी पूर्णिमा को संस्कृत दिवस होता है एवं श्रावण मास को संस्कृत मास के नाम से जाना जाता है। इस माह संस्कृत प्रेमियों एवं संस्थाओं द्वारा संस्कृतमय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है । संस्कृत रोजगार के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाती है जिसकी आज के समय में महती उपयोगिता है।

छात्राओं को संबोधित करती संस्कृत शिक्षिका सुमन तंवर

#### ये रहे मौजूद

विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्य सुनीता ने भी शिविर के आयोजन एवं भारतीय ज्ञान-परम्परा की मूल संस्कृत के प्रचार-प्रसार हेतु कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की। इस अवसर पर कैथल जिला सहमन्त्री प्रवीण शास्त्री ने शिविर की व्यवस्था एवं शिविर शिक्षिका आशा ने मंच संचालन किया । इन दोनों शिविरों में 130 बालिकाएं प्रतिभागिता कर रही हैं। यह शिविर दो भागों में चलेगा। विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती सविता,भूगोल प्राध्यापक जय भगवान,शीतल इत्यादि उपस्थित रहे ।

## नवनियुक्त थाना प्रभारी से मिले मौजिज लोग

**पूंडरी ।** सीवन के सामाजिक रूप से सक्रिय लोगों ने शनिवार को नवनियुक्त थाना प्रभारी सुनीता सैनी से मुलाकात कर सीवन में बढ़ती घटनाओं से अवगत करवाया। इस प्रतिनिधिमंडल में पूर्व चेयरमैन पृथ्वी सैनी, गौशाला सेवा समिति सीवन के प्रधान नरेंद्र सैनी, पूर्व सरपंच खानपुर रामनाथ सैनी, गुलाब सैनी, पूर्व पंच रामनिवास सैनी, महेंद्र सैनी तथा सतीश सैनी मुख्य रूप से शामिल रहे। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने थाना प्रभारी सुनीता सैनी को सीवन में बढ़ रही चोरी की घटनाओं तथा नशे की खुलेआम बिक्री को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि सीवन में हो रहा नशे का अवैध कारोबार युवाओं को बर्बादी की ओर धकेल रहा है, वहीं चोरी की घटनाएं आम लोगों में सुरक्षा को लेकर भय पैदा कर रही हैं। थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया कि पुलिस प्रशासन नगर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

#### सूचना

मैं, सज्जन पुत्र श्री रघबीर निवासी गांव उगालन, तहसील नारनौंद, जिला हिसार बयान करता हूं कि मेरा पुत्र मोहित व पुत्रवधु अनुष्का मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

## खबर संक्षेप

### किसान नेता नरेश ढांडा को लिया हिरासत में

**जींद।** जुलाना क्षेत्र के गतौली गांव निवासी नरेश ढांडा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। नरेश ढांडा ने गत दिनों जुलाना की आंतरिक सड़क ना बनाने को लेकर रोष प्रकट करते हुए फेसबुक अकाउंट पर लिखा था कि अगर 19 जुलाई तक जुलाना की आंतरिक सड़क का निर्माण नही होता है तो वो रैली में काली पट्टी बांध कर विरोध करेंगे। जिस पर पुलिस ने संज्ञान लेते हुए नरेश ढांडा को गतौली बस स्टैंड से पुलिस हिरासत में ले लिया। हालांकि कार्यक्रम के समापन के बाद उसे छोड़ दिया गया।

### किशोर से काम करवाने के आरोप में मामला दर्ज

**कैथल।** थाना शहर कैथल पुलिस द्वारा एक बच्चे से दुकान पर काम करवाने के आरोप में दुकानदार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामला जिला समन्वयक एमडीडी ऑफ इंडिया के अधिकारी अशोक कुमार की शिकायत पर दर्ज किया गया है। अशोक कुमार ने शहर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि भगत सिंह चौक स्थित जनता मार्केट में दुकानदार वीरभान ठाकुरदास एक 14 वर्ष से कम आयु के बच्चे से अपनी किरियाना की दुकान पर काम करवा रहा था।

### किशोरी को भगाने के आरोप में मामला दर्ज

**कैथल।** राजौंद पुलिस ने एक किशोरी को शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी अपनी शिकायत में एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि 16 जुलाई को मोहन उर्फ मोनू नामक युवक उसकी 17 साल की बेटी को शादी के झांसा देकर अपने साथ बहला फुसला कर भगा ले गया। उसने उनके आसपास काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। जांच अधिकारी उप निरीक्षक पवन कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### अंत्योदय परिवारों के लिए दयालु योजना वरदान

**कैथल।** डीसी प्रीति ने बताया कि दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) अंत्योदय परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के तहत एक लाख 80 हजार सालाना आय वाले परिवार के सदस्य की मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता पर आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत विभिन्न श्रेणी में एक लाख रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाती है।

### बाल विवाह करने के आरोप में तीन पर केस

**कैथल।** थाना सदर पुलिस कैथल ने एक किशोरी से बाल विवाह करने के आरोप में एक महिला सहित तीन व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस संबंध में पुलिस को दी शिकायत में जिला बाल विवाह निषेध अधिकारी सुनीता ने बताया कि 22 अप्रैल 2023 को गांव उमरी खुर्द के व्यक्तियों ने आपस में मिलीभगत करते हुए गांव क्योडक की एक किशोरी से बाल विवाह किया। उन्होंने बताया कि बाल विवाह करना कानूनी जुर्म है। महिला थाना पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए मुनीश, राजेंद्र सिंह और पूनम देवी के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

### तीन दिवसीय विशेष सत्र का किया गया आयोजन

**कैथल।** नारायण सेवा केंद्र, कैथल में 'आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' द्वारा तीन दिवसीय विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जो आज सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस सत्र का मार्गदर्शन फाउंडेशन की अनुभवी प्रशिक्षिका सोनिया मिगलानी जी द्वारा किया गया। यह सत्र विशेष रूप से नारायण सेवा केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक प्रतिभागियों को ध्यान, प्राणायाम तथा विभिन्न प्रेरणादायक गतिविधियाँ करवाई गईं।

# अवैध गर्भपात के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग सख्त, उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई

**खास बातें**

- किसी भी प्रत्यारोपण पूर्व भ्रूण में आनुवंशिक दोषों को पता लगाने के लिए डीसी से लेनी होगी परमिशन
- लिंग चयन के लिए आईवीएफ का प्रयोग न हो, उठाया गया कदम : सीएमओ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

### अवैध गर्भपात के खिलाफ उठाए जाएंगे सख्त कदम

नागरिक अस्पताल की सीएमओ डा. सुमन कोहली ने कहा कि अवैध गर्भपात को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग सख्त कदम उठा रहा है। इसमें संलिप्त डॉक्टरों का लाइसेंस रद्द कर कठोर दंडात्मक कदम उठाए जाएंगे। इसके साथ ही गर्भावस्था के 24 सप्ताह तक किए गए गर्भपात की रिवर्स ट्रैकिंग शुरू करने का निर्देश दिए गए हैं। इसका मकसद ऐसी प्रक्रियाओं में शामिल चिकित्सकों की पहचान कर उल्लंघन के मामले में सख्त कार्रवाई करना है। इस समय हरियाणा का लिंगानुपात इस वर्ष सात जुलाई तक सुधर कर 904 हो गया है। जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 903 था।

### नियमों की उल्लंघना पर होगी सख्त कार्रवाई : सीएमओ

सीएमओ डा. सुमन कोहली ने कहा कि आर्ट बैंक या आर्ट क्लीनिक पंजीकरण करने हेतु आर्ट एक्ट 2021 के तहत पंजीकृत होना आवश्यक है। यदि कोई भी अस्पताल बिना पंजीकरण के इन दोनों में से कोई भी कार्य करता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

आईवीएफ तकनीक के माध्यम से जिले में किसी भी प्रत्यारोपण पूर्व भ्रूण में आनुवंशिक दोषों को पता लगाने के लिए किए जाने वाली जांच व टेस्ट करवाने से पहले जिला एप्रोप्रियेट अथॉरिटी की अनुमति लेनी होगी। इस कमेटी के के चेयरपर्सन जिला उपायुक्त होंगे। इसका उद्देश्य यह है कि इस तरह के केसों का अवलोकन करते हुए इस तकनीक का प्रयोग लिंग चयन में न हो, इस बारे में सुनिश्चित किया जा सके। यह निर्णय लिंगानुपात में सुधार के लिए लिया गया है।

**यह है प्रत्यारोपण पूर्व आनुवंशिक निदान का अर्थ:** प्रत्यारोपण पूर्व आनुवंशिक निदान का अर्थ है आनुवंशिक निदान। जब एक या दोनों आनुवंशिक माता-पिता में कोई ज्ञात आनुवंशिक असामान्यता हो और भ्रूण पर परीक्षण किया जाता है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि उसमें भी कोई आनुवंशिक असामान्यता है या नही। प्रत्यारोपण पूर्व आनुवंशिक परीक्षण का अर्थ है गर्भावस्था से पहले इन विट्रो निशेचन के माध्यम से निर्मित भ्रूणों में आनुवंशिक दोषों की पहचान करने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीक।आईवीएफ के माध्यम से दूसरा बच्चा चाहने वाले दंपत्तियों को लेनी होगी अनुमति अगर किसी दंपत्ति को बेटी है और वे दूसरा बच्चा इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) तकनीक से चाहते हैं तो उन्हें सरकार से पहले इजाजत लेनी होगी। यह आदेश आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) यानी के टैस्ट ट्यूब बेबी तकनीक से गर्भाधारण पर लागू होंगे। इसके लिए शर्त है कि यदि आपके एक या उससे ज्यादा बच्चे हैं, तो आपको अनुमति लेनी होगी। इस आदेश के अनुसार आईवीएफ का विकल्प चुनने वाले दंपत्ति को जिला उपायुक्त के पास आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र, प्रसव या गर्भपात से जुड़े दस्तावेज और आईवीएफ कराने के कारण भी बताने होंगे। नागरिक अस्पताल की सीएमओ डा. सुमन कोहली ने कहा कि अवैध गर्भपात को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग सख्त कदम उठा रहा है। इसमें संलिप्त डॉक्टरों का लाइसेंस रद्द कर कठोर दंडात्मक कदम उठाए जाएंगे।

## विधायक की सख्ती का नजर आ रहा असर

# बारिश के पानी की निकासी को लेकर जुटा प्रशासन

अब सफाई होने से बारिश के पानी की निकासी साथ-साथ इन रिचार्जिंग बोरवैल से भी हो सकेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

**जींद।** हाइवे पर बोरवेल की सफाई करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

बारिश की पानी की निकासी को सर्विस रोड, पुरानी मंडी में बनाए गए अंडर ग्राउंड रिचार्जिंग बोरवैल की सफाई का काम इन किया जा रहा है ताकि ड्रेन, पाइप लाइन से पानी की निकासी होने के साथ रिचार्जिंग बोरवैल से भी पानी की निकासी हो। उचाना मंडी में पांच से अधिक ये बोरवैल लगे है तो ये बोरवैल सर्विस रोड पर पानी निकासी को लेकर बनाए गए नाला में लगाए गए है। यहां पर सफाई नहीं होने से पानी की निकासी इनसे नहीं हो रही थी। अब सफाई होने से बारिश के पानी की निकासी साथ.साथ इन रिचार्जिंग बोरवैल से भी हो सकेगी। विधायक की पानी निकासी की वर्षों पुरानी समस्या के समाधान को लेकर अपनाए गए सख्त रवैये के बाद से प्रशासन निरंतर पानी निकासी के पुख्ता प्रबंधन करने में लगा है। नेशनल हाइवे पर 12 इंच की पाइप लाइन पानी निकासी को लेकर दबाई जा रही है तो अंडरपास के पास एसटीपी पर 25 हार्स पॉवर से बढ़ा कर 40 हार्स पॉवर की मोटर रखी गई। ऐसे ही मंडी में भी 25 हार्स पॉवर से 50 हार्स पॉवर की मोटर रखी गई। वर्षों पुरानी समस्या के समाधान को लेकर प्रशासन द्वारा किए गए पुख्ता प्रबंध का पता बारिश होने के बाद अब चलेगा।

### समस्या है पुरानी

विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि जलभराव की जो समस्या है वो काफी पुरानी है। अधिकारियों से मीटिंग करके इसके स्थाई समाधान को लेकर चर्चा की। पानी निकासी का स्थाई समाधान हो इसको लेकर प्रशासन पुख्ता प्रबंध करने में लगा हुआ है। निश्चित इस बार जलभराव की जो समस्या वर्षों से होती रही है इस बार जो पुख्ता प्रबंध किए है उससे समाधान हो।

### 30 साल से है पानी निकासी नहीं होने की समस्या

सुरेश, ओमदत्त, रामनिवास, सतबीरए पवन ने कहा कि पुरानी मंडी में तो बारिश के पानी की निकासी नहीं होने की समस्या 30 साल से पुरानी है तो शहर की गलियों में भी 40 साल से ये समस्या है। हाइवे फोरलेन बनने के बाद वहां भी ये समस्या कई सालों से चल रही है। अब इस समस्या के स्थाई समाधान को लेकर विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री से लोगों द्वारा की गई मांग के बाद विधायक की पानी निकासी को लेकर जलभराव होने वाली जगहों का निरीक्षण करने के साथ अधिकारियों को दिए गए सख्त निर्देश का असर अब नजर आ रहा है। निरंतर पुख्ता प्रबंध पानी निकासी के करने के लिए प्रशासन पूरी तरह से लगा हुआ है। अब की बार बारिश में जलभराव की समस्या का समाधान होगा ऐसी उम्मीद लोगों को पहली बार हुई है क्योंकि अब से पहले कोई ध्यान इस समस्या पर नहीं देता था।

# पौधारोपण केवल कार्यक्रम नहीं बल्कि हमारी जिम्मेदारी भी है : राजकुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

**जींद।** पौधारोपण करते राजकुमार गोयल व अन्य अतिथिगण।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर समाज में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन द्वारा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जींद में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आमजन व छात्राओं को पर्यावरण के प्रति सजग करते हुए पौधारोपण करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत त्रिवेणी (पीपल, बरगद एवं नीम) के पौधारोपण से की गई जो भारतीय संस्कृति में पवित्र मानी जाती है और पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका निभाती है। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी राजपाल देशवाल, जींद विकास संगठन के अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल, राजकुमार भोला द्वारा संयुक्त रूप से त्रिवेणी के पौधे लगा कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। खंड शिक्षा अधिकारी राजपाल देशवाल ने कहा कि छात्रों को पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा देना समय की आवश्यकता है। स्कूलों से ही यदि यह संस्कार दिए जाएं तो भविष्य का भारत अधिक हरा.भरा और सुरक्षित बनेगा। डा. राजकुमार गोयल ने कहा हमारे विकास का आधार तभी स्थायी होगा जब हम प्रकृति के साथ संतुलन बना कर चलेंगे।

# केशव शाखा ने लगाया फ्री हेल्थ कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

**नरवाना।** बच्चों के दांतों की जांच करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

शनिवार को भारत विकास परिषद केशव शाखा नरवाना के द्वारा एक फ्री डेंटल चेकअप कैंप श्री श्याम बाल वाटिका स्कूल में लगाया गया। जिसमें गवर्नमेंट हॉस्पिटल नरवाना से डॉ मोनिका और डॉ संदीप गिल ने अपनी सेवाएं दी। संरक्षक सतीश सेतिया ने बताया कि डॉ मोनिका ने ज्योत प्रज्वलन कर डेंटल कैंप की शुरुआत की। शाखा के सभी सदस्यों ने भी फूल अर्पित कर मां भारती को याद किया। डॉ मोनिका जी ने स्कूल के छोटे छोटे बच्चों को संबोधित करते हुए उन्हें दांतों की स्वच्छता व सुरक्षा के बारे में जानकारी दी और उन्हें ब्रश करने के तौर तरीके भी सिखाए। जिसे बच्चों ने बड़े ध्यान से सुना और बच्चों से संबंधित काफी प्रश्न पूछे। जिनका डॉ मोनिका जी व डाए संदीप गिल ने बड़े अच्छे से बच्चों को जवाब दिया। इस कैंप में लगभग 300 बच्चों का चेकअप हुआ और यथा संभव दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई। श्याम बाल वाटिका स्कूल के डायरेक्टर कृष्ण अरोड़ा व ज्योति अरोड़ा जी ने कैंप के लिए आवश्यक सुविधाओं का प्रबन्ध किया। जिसके लिए केशव शाखा के पदाधिकारीयों ने उनका आभार व्यक्त किया। अंत में केशव शाखा के पदाधिकारीयों ने अपनी सेवाएं देने के लिए डॉ मोनिका व डॉ संदीप गिल और श्याम बाल वाटिका स्कूल के डायरेक्टर कृष्ण अरोड़ा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

# मजूदरों को सरकारी सुविधाओं का लाभ न मिलने पर किया रोष प्रकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

**जींद।** बैठक में भाग लेते हुए निर्माण मजदूर। *फोटो : हरिभूमि*

भवन निर्माण कामगार यूनियन की बैठक जिला प्रधान जोगिंद्र ईगराह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा निर्माण मजदूरों के रोके गए तमाम कामों को तुगलकी फरमान है। 10 जुलाई को प्रदेश के कल्याण बोर्ड ने श्रम मंत्री अनिल विज की सिफारिश पर निर्माण मजदूरों के तमाम कार्य पर यह कह कर रोक लगा दी कि कल्याण बोर्ड में भ्रष्टाचार फैला हुआ है जो पंजीकरण करवाने, काम की तस्दीक करवाने, सुविधा राशि जारी करवाने में उजागर हुआ है। प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करने की बजाए मजदूरों को बलि का बकरा बना रही है। मजदूरों के तीन-तीन महीनों से सुविधा के आवेदन 100 प्रतिशत पूरे हो चुके हैं लेकिन जांच के नाम पर अस्थायी रोक लगा दी है। बीजेपी सरकार ने शुरू से ही मजदूरों के हकों पर डाका डाला है। कई-कई सालों से कन्यादान, पितृत्व, मातृत्व, स्कूटी, मृत्यु आदि के आवेदनों की राशि रुकी हुई है और आवेदनों पर बार-बार अनाप-शनाप आपत्तियां लगा रही है। इस कारण मजदूरों में सरकार के खिलाफ आक्रोश बढ़ता जा रहा है। यूनियन के राज्य सचिव कपूर सिंह व जिला सचिव संदीप जाजवान ने कहा कि मजदूरों कि समस्याओं का समय रहते हल नही हुआ तो यूनियन गांवों से लेकर शहर की कॉलोनियों में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी और सरकार के पुतले दहन करेगी और ब्लॉक स्तर पर आक्रोश प्रदर्शन करते हुए जिला पर पड़ाव डालेगी और जब तक निर्माण मजदूरों की समस्याओं का समाधान नहीं होता यूनियन चुप नहीं बैठेगी।

# समाप्त पदों को बहाल करवाने की मांग हुई तेज

- बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन ने प्रदेशस्तरीय बैठक कर बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

**जींद।** मीटिंग को संबोधित करते हुए एसोसिएशन पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन हरियाणा की राज्य स्तरीय बैठक नागरिक अस्पताल में एसोसिएशन की राज्य प्रधान शर्मिला देवी की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन महासचिव सहदेव आर्य सांगवान ने किया। बैठक में एसोसिएशन के राज्य कार्यकारिणी के पदाधिकारी तथा सभी जिला प्रधान व सचिव ने भाग लिया। बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए प्रदेशाध्यक्ष शर्मिला देवी, राममेहर वर्मा ने बताया कि सरकार द्वारा जियो फेंसिंग लोकेशन आधारित उपस्थिति लगाने के गैर कानूनी आदेश लागू करने व नए नोरम के नाम पर राज्य के शहरी क्षेत्रों में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारियों के पदों को समाप्त करने के निर्णय के विरोध में तथा एनएचएम के अन्तर्गत कार्यरत महिला एमपीएचडब्लू को नियमित कर्मचारी की भांति 4200 ग्रेड पे देने, अन्य वर्गों के कर्मचारियो की भांति एमपीएचडब्ल्यू काडर के पद नाम बदलने, पदोन्नति व कन्फर्म सूची जारी करने, रिक्त पदों पर नियमित भर्ती करने, राज्य में आबादी के अनुसार नए पद सृजित करने, पदोन्नत पदों के वेतनमान संशोधित करने सहित लंबित मांगों को लेकर आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि आंदोलन के तहत आगामी 11 अगस्त से स्वास्थ्यकर्मी जिला स्तर पर कन्वैन्शन करके राज्य के सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के सभी सांसदों व विधायकों ज्ञापन देंगे। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि 11 अगस्त को जिला हिसार व नारनौल में, 23 अगस्त को रोहतक व पलवल, 30 अगस्त को भिवानी व पानीपत, छह सितंबर जींद व अंबाला, 13 सितंबर को झज्जर व सिरसा, 20 सितंबर को कैथल व फरीदाबाद, 27 सितंबर को करनाल व चरखी दादरी, चार अक्टूबर को रेवाड़ी व पंचकूला, 11 अक्टूबर को कुरूक्षेत्र व यमुनानगर तथा 18 अक्टूबर को सोनीपत व फतेहाबाद में जिलास्तरीय कन्वैंशन करके विधायकों व सांसदों को ज्ञापन दिए जाएंगे। उन्होंने सरकार को आगाह किया कि यदि फिर भी एसोसिएशन की मांगों पर अमल नहीं हुआ तो आगामी आन्दोलन की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार आए दिन कर्मचारियों के प्रति शोषण के तरीके अपना रही है। जबकि कर्मचारी पहले ही व्याप्त समस्या से दो चार होकर संघर्ष करने को मजबूर हैं।

# अपराधी बेलगाम, कानून व्यवस्था हुई बदहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

रामप्रकाश गोगी।

इनैलो पार्टी के वरिष्ठ नेता रामप्रकाश गोगी ने हरियाणा की मौजूदा भाजपा सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि आम आदमी खुद को घर से बाहर निकलने में भी असुरक्षित महसूस कर रहा है। हत्या, बलात्कार, लूट और अपहरण की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार केवल आंकड़ों की बाजीगरी में लगी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में न कानून बचा है, न व्यवस्था। मुख्यमंत्री और उनके मंत्री सिर्फ बयानबाजी तक सीमित हैं। पुलिस प्रशासन पर राजनीतिक दबाव इतना हावी है कि अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं और पीड़ित न्याय के लिए दर-दर भटक रहा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की विफलताओं से जनता पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है और अब बदलाव चाहती है। हरियाणा में इनैलो ही एकमात्र ऐसा विकल्प है जो किसान, मजदूर, व्यापारी, बेरोजगार युवा और महिलाओं की असली आवाज उठाने में सक्षम है।

## मुख्यमंत्री की नीयत और नीति दोनों साफ : डा. पुष्पा तायल

# करोड़ों के विकास के बाद बदलेगी जुलाना की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

**जींद।** सीएम को स्मृति चिन्ह देते हुए डा. पुष्पा तायल। *फोटो : हरिभूमि*

भाजपा जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जिस प्रकार से दिल खोल कर करोड़ों की सौगात दी गई हैं, विकास के यह सभी कार्य पूरा होने के बाद जुलाना की तस्वीर बदलेगी। उन्होंने कहा कि यहां पर भाजपा का विधायक न होते हुए करोड़ों की सौगात दी है। इससे साफ हैं कि मुख्यमंत्री की नियत और नियती दोनों साफ है और प्रदेश की भाजपा सरकार सबका साथ सबका विश्वास और सबका विकास थीम पर काम करती है। डा. पुष्पा तायल ने कहा कि देश व प्रदेश में अंत्योदय के स्वप्न को साकार करने के लिए भाजपा सरकार अपना दायित्व प्रभावी रूप से निभा रही है। सरकार विकास की गारंटी के साथ आमजन तक पहुंच रही है और लोगों को लाभांवित करने का काम रही है। उनका भी हमेशा यही प्रयास रहा कि जुलाना विकास के मामले में सबसे आगे हो। डा. पुष्पा तायल ने कहा कि सरकार ने बिना खर्ची, बिना पर्ची के योग्य युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था। जिस पर सरकार पूरी तरह से खरी उतरी। भाजपा सरकार में उन युवाओं को नौकरी मिली है, जिन्होंने कभी सोचा भी नही था। मेहनत करने वाले युवकों को नौकरी बिना पर्ची, बिना खर्ची के मिली है। भाजपा सरकार पंक्ति के अंतिम छौर पर खड़े आदमी के साथ खड़ी है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 20 जुलाई 2025

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

# कभी-कभी बन जाएं बच्चे
# जी भर करें लाइफ एंज्वॉय

जीवन में सबसे सुहाने दिन बचपन के ही होते हैं। उस दौर से जुड़ी यादें हम कभी नहीं भूल पाते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि हम बड़े हो गए तो अब बच्चों जैसी हरकतें नहीं कर सकते। जब भी मौका मिले, कुछ पल के लिए ही सही फिर से बच्चा बनकर देखिए, आपका तनाव गायब हो जाएगा और लाइफ को भरपूर एंज्वॉय कर पाएंगे।

अपनी जिंदगी में रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के बोझ से व्यथित होकर अकसर हम अपने बचपन के दिनों की मस्ती, बेपरवाही और उन दिनों से जुड़ी कुछ खास बातों को याद करके उदास हो जाते हैं और अनायास ही बोल पड़ते हैं, *बचपन के दिन भी क्या दिन थे, उड़ते फिरते थे तितली बन।* कई बार मन में ऐसा भी खयाल आता है कि सब के सपनों को साकार करने में, दुनिया की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश में, कितना थक जाते हैं हम। हम सोचने लगते हैं कि काश, फिर से वो बेफिक्री आ जाए, जो बचपन के दिनों में हुआ करती थी। वाल्ट डिजनी ने कहा था, 'इस दुनिया की मुश्किल यह है कि बहुत सारे लोग बड़े हो गए हैं।'

## नहीं भूलते वो मस्ती भरे दिन

इस दुनिया में शायद ही कोई शख्स होगा, जो अपने बचपन के दिनों में लौट जाने की ख्वाहिश ना रखता हो, जब जिम्मेदारियां कम थीं और खुशियां बेशुमार। होमवर्क को झटपट पूरा किया और घर से बाहर निकल गए कॉलोनी के पार्क में, मकान की छत पर या अपनी बालकनी में। कभी मिट्टी में लथपथ हुए, तो कभी बारिश के पानी में भीगे। बाजार से गेंद नहीं ला पाए तो रद्दी कागजों का गोला बनाकर खेलने लगे। महंगे खिलौने ना हों तो कागज की नाव या पतंग ही सही। बस मस्ती चाहिए थी, हर कीमत पर।

## करें ऐसा, जिसमें आए मजा

आप चाहें तो आज अपने बचपन वाली उम्र भले वापस ना ला सकें, लेकिन 40, 50, 60 साल के होने के बावजूद दिल बचपन का ला सकते हैं। इससे न सिर्फ आपको अनूठी खुशी मिलेगी बल्कि स्ट्रेस लेवल भी कम होगा। याद कीजिए बचपन में हम कितने क्रिएटिव होते थे। हमारे पास हर चीज का विकल्प था। माचिस की बेकार डिब्बियों से टीवी जैसी आकृति बना लेते थे। अखबारों या पत्रिकाओं से कटी तस्वीरों को एक के बाद एक चिपका कर लंबा करना फिर उनके दोनों सिरे पर 2 तिनकों में लपेटना। फिर डिब्बी बीच से काटकर स्क्रीन बनाकर तिनके घुमाते हुए अलग-अलग तस्वीरें देखना। एक रुपए के लट्टू या 2 रुपए की गेंद से दिनभर खेलना, मस्ती करना। कागज की नाव बनाकर उसे बरसात के पानी में चलाना। चित्रकारी, डांस, कॉमिक्स पढ़ना, किसी गीत की पैरोडी बनाकर उसे गुनगुनाना हमें कितना प्रफुल्लित करता था। अब भी क्या बिगड़ा है! अब भी आप ऐसी क्रिएटिव एक्टिविटी अपनाएं, जो आपको खुशी दे। कुकिंग, डांसिंग, सिंगिंग, ड्राइंग कुछ भी कीजिए ताकि कुछ देर अपनी जिम्मेदारियों को भूल कर उसमें व्यस्त हो जाएं।

## याद करिए गुजरे हुए दिन

किसी ने कहा है, *टूटे बर्तन को खिलौना बना लेते हैं, हम बच्चे हैं हर जगह आशियाना बना लेते हैं।* अगर इसी सिद्धांत पर आज भी चलें तो आप खूब खुश रहेंगे। अगर आप संयोगवश अभी उसी शहर में रहते हैं, जहां आपका जन्म हुआ और बचपन बीता तो कभी उस गली या मोहल्ले में जाइए, जहां आपने बचपन बिताया और उन दिनों को शिद्दत से याद कीजिए। उस मकान के अड़ोस-पड़ोस में रहने वाले लोगों से मिलिए, जहां आप रहते थे। उनसे खूब गपशप कीजिए। अगर आपका शहर बदल गया है तो आप गूगल की मदद से उस मोहल्ले, पार्क या स्कूल को देख सकते हैं, जहां आपने बचपन बिताया था, या फिर फेसबुक के माध्यम से अपने बचपन के दोस्तों को ढूंढ़ कर उनसे बातचीत कर सकते हैं। आपके पास बचपन की तस्वीरों का एल्बम हो तो उन तस्वीरों को देखिए और एक-एक तस्वीर से जुड़ी बातें याद कीजिए। वही वाली टॉफी खरीदकर फिर से खाइए, जो आपको खूब पसंद हुआ करती थी। उस मिठाई की दुकान पर जाकर समोसा या कचौरी खाइए, जहां के समोसे, कचौरी आप बचपने में बड़े चाव से खाते थे। आप कुछ देर के लिए ही सही अपने बचपन में पहुंच जाएंगे। यकीन मानिए, किसी की लिखी ये पंक्तियां आपको बरबस याद आ जाएंगी कि *नंगे पांव दौड़ते थे उस बचपन में। बढ़ते तजुर्बे ने पैरों में चुभन का एहसास करा दिया।*

## खूब लें राइडिंग का मजा

अपने बचपन को लौटाने के लिए, उन पलों को फिर से जीने के लिए आज के जमाने में बेस्ट प्लेस हैं एम्यूजमेंट पार्क। एम्यूजमेंट पार्क में छोटे बच्चों को खेलते देखकर आपको अपना बचपन याद आ जाएगा। फिर तरह-तरह के राइड्स का आनंद लेना, वहां घूमना-फिरना और मस्ती करना आपके अंतर्मन को पूरी तरह खुश कर देगा। जब मौका मिले, आप ऐसी जगहों पर जरूर जाएं और राइड्स के साथ-साथ वहां मिलने वाले डिफरेंट फूड्स एंज्वॉय करना ना भूलें।

## बचकानी हरकतों से ना झिझकें

किसी ने क्या खूब लिखा है, *झूठ बोलते थे फिर भी कितने सच्चे थे हम। यह उन दिनों की बात है जब बच्चे थे हम।* आपने देखा होगा कि बच्चों को जो पसंद आता है, वे उसे पूरी मस्ती के साथ करते हैं। चाहे खेलना-कूदना हो, गाना हो या नाचना हो। उन्हें इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं रहती कि कोई क्या सोचेगा या क्या कहेगा? उनका पूरा ध्यान सिर्फ अपनी खुशी और मस्ती में होता है। आपको भी बिल्कुल वही बेपरवाही अपनानी होगी। अपने हमउम्र दोस्तों के साथ ठहाके मारकर हंसना, चुटकुले सुनाना, डांस करना या जो अच्छा लगता हो करें। यकीन मानिए आप अपनी उम्र काफी कम महसूस करने लगेंगे। इस बारे में मनोचिकित्सक डॉक्टर संजय गर्ग कहते हैं, 'हम वयस्क होकर भी बच्चों जैसी मस्ती कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए बनावटी कंफर्ट जोन से बाहर आकर रियल कंफर्ट जोन में जाने के लिए मेंटली प्रिपेयर होना पड़ेगा।' *



लाइफस्टाइल / अंजू जैन

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे हर छोटी-बड़ी बात पर जरूरत से ज्यादा सोच-विचार यानी ओवर थिंकिंग करते हैं। इससे वे कोई भी निर्णय जल्द नहीं ले पाते हैं। अगर आप भी ऐसी समस्या से ग्रस्त हैं तो यहां बताए जा रहे उपायों को आजमा सकते हैं।

# क्या आप भी करते रहते हैं
# हर बात पर ओवर थिंकिंग

यह सही है कि कोई भी काम अच्छी तरह सोच-विचार कर करना चाहिए। विचारशीलता और मनन करना अच्छी बात है। लेकिन जब आपका चिंतन, मनन या विचार मंथन जरूरत से ज्यादा समय तक या ज्यादा मात्रा में होने लगता है तो यह अनायास ही चिंता और ओवर थिंकिंग की आदत में तब्दील हो जाता है, जो लाइफस्टाइल को प्रभावित कर सकता है। इसलिए इस हैबिट से उबरने के लिए यहां बताई जा रही बातों पर अमल करें।

**दूसरों पर ध्यान न लगाएं:** हमारा मन अकसर बाहरी कारकों पर ध्यान केंद्रित करने पर उलझा रहता है। जब हम ईर्ष्या, दूसरों द्वारा हमारी आलोचना, दूसरों की सुख-समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमारा मन अस्थिर और अशांत हो जाता है। इसलिए बेहतर होगा कि हमारी सोच और चिंतन का दायरा उन्हीं चीजों तक सीमित हो, जिन्हें हम सुधार, बदल या नियंत्रित कर सकते हैं। पुस्तक 'हेवनॉट गॉट टाइम फॉर द पेन' में लिखा गया है कि आपको अपने उलझे हुए विचारों को बदलना और उनका समाधान करना सीखना चाहिए। सबसे पहले जानिए कौन से विचार आपको पीड़ा देते हैं? उन विचारों को छोड़ने की कोशिश करें। ज्यादा सोचने से चीजें उलझ जाती हैं। इसलिए जीवन जीने और सोचने की प्रक्रिया को सरल रखें।

**धैर्य बनाए रखें:** यह एक मूलभूत सिद्धांत है कि आप जो अभी बोएंगे उसकी फसल आप बाद में काट पाएंगे। लेकिन हमारा चंचल स्वभाव इस बात को मानता नहीं और वह तुरंत परिणाम न मिलने पर विचलित हो जाता है। अपनी मेहनत के परिणाम के लिए जरा सा धैर्य रखिए फिर भी वांछित नतीजा ना मिले तो उस पर पुनर्विचार करिए।

**भाग्य को न कोसें:** मुश्किल परिस्थितियों में मनुष्य भाग्य को दोष देता है। लेकिन उसका भाग्य अधिकांशतः उसके चरित्र, जुनून, गलतियों और कमजोरी का ही प्रतिबिंब होता है। उसे अपने अवसरों से संतुष्ट रहना चाहिए और उनका फायदा उठाने की युक्ति पर विचार करते हुए स्वयं को बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

**परफेक्शन की जिद छोड़ें:** कई लोग पूर्णतावाद के शिकार होते हैं। वह किसी काम को करने के बाद भी बार-बार सोचते हैं कि इसे और कैसे बेहतर किया जाए? अगर आपकी भी यह समस्या है तो इससे उबरें। एक काम के बाद अपनी अगली प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करें।

**टू द पॉइंट सोचें:** आप क्या सोच रहे हैं, क्यों सोच रहे हैं और किन मूल बिंदुओं पर आपका चिंतन है, यह पूरी तरह स्पष्ट होना चाहिए। इसके लिए बिंदुओं को लिख लीजिए। विभिन्न पहलुओं पर गौर कीजिए और फिर सोचिए। ऐसी सोच आपको निर्णय लेने में मददगार होगी और समय भी नष्ट नहीं होगा।

**अनुभवी लोगों से मिलें:** विचार मंथन की प्रक्रिया अगर लंबी खिंच रही हो और आप किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पा रहे हों तो अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लें। कुछ परिस्थितियों में सबसे अच्छा यह होता है कि आप अपनी गट फीलिंग का उपयोग करें। आपका अंतर्मन यानी सिक्स्थ सेंस जो कहे उसे ही सही मानें। कई शोध हो चुके हैं, जिनसे पता चलता है कि गट फीलिंग और लॉजिकल सोच का संयोजन सही निर्णय लेने में मददगार होता है।

**मन को थकाने से बचें:** आपको हर दिन छोटे-बड़े सैकड़ों निर्णय लेने होते हैं, जो आपके मन को थका सकते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि अपने दिमाग की शक्ति को बचाने के लिए एक दिनचर्या बनाएं, जिसमें उलझे हुए विषयों पर विचार के लिए एक वक्त तय कर दें। इसी समय जरूरी बातों पर निर्णय लें। बेवजह विचारों के सागर में डूबे रहना समय और ऊर्जा की बर्बादी है। इसकी बजाय सकारात्मक सोच के बीज बोएं और जरूरी चीजों पर विचार करें। पुस्तक 'डेवलपिंग इन टू, हेल्दी थिंकर्स' में कहा गया है कि सकारात्मक वाक्य हमें एक खुशहाल और भयमुक्त जीवन बनाने में प्रभावशाली रूप से मदद करते हैं। अपनी आवश्यकताओं के अनुसार सूक्तियां चुनें या अपने प्रेरक वाक्यांश बनाएं और उन पर अमल करें।

**समय पर छोड़ दें:** अगर आप यह सोचकर चिंतित रहते हैं कि पता नहीं कोई समस्या सुलझेगी या नहीं, तो याद करें अतीत में आपने कितनी ही समस्याओं को सुलझाया है। इससे आपकी थिंकिंग पॉजिटिव साइड में चली जाएगी। इसके साथ ही आपको यह भी याद रखना चाहिए कि कई समस्याएं तो समय के साथ सुलझ जाती हैं। ओवर थिंकिंग से बचने का सबसे आसान तरीका पुस्तक 'स्टॉप लुक एंड लिसन' में बताया गया है। इस पुस्तक में विस्तार से समझाया गया है कि आप वर्तमान में जिएं और उस क्षण को पूरी तरह महसूस करें। जिंदगी को एक तय उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाएं। कर्म पर विश्वास करें और अपनी मानसिक स्थिति पर नियंत्रण रखें। *

सजेशन
मोनिका शर्मा

# स्मार्ट गैजेट्स से दूर रहकर भी
# मिल सकती है खुशी-सुकून

हालांकि आज के दौर में स्मार्ट गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहना तो संभव नहीं रह गया है। लेकिन अगर केवल इस पर इंटरनेट यूज को कंट्रोल कर लें तो भी खुशी और सुकून हासिल कर सकते हैं।

सब कुछ पा लेने से ही सुकून नहीं मिलता। खुशी का मतलब दुनिया भर से जुड़े रहना ही नहीं होता। टेक्नीक के घेरे में घिरी आज की जिंदगी में स्मार्ट तकनीकों से लैस गैजेट्स से दूरी बनाना भी मन को सुख दे सकता है। वर्चुअल दुनिया में अनजान लोगों तक से जुड़ने और हर पल जुड़े रहने के बजाय, स्क्रीन की मौजूदगी पर लगाम लगाना भी मन को खुशी दे सकता है। टिक-टिक की आवाज पर हमारा ध्यान भटकाते नोटिफिकेशंस को बंद रखना भी मन को शांत सहज रख सकता है। कनाडा और अमेरिका में हुआ एक ताजा अध्ययन नोटिफिकेशंस की टोन पर भागते मन की लगाम थामकर असली दुनिया में सच्चे सुख को जीने की बात पुख्ता करता है।

**टिक-टिक पर कंट्रोल के लाभ:** बीते कुछ वर्षों में स्मार्टफोन का साथ एक आदत बन गया है। बहुत से लोगों के लिए तो स्क्रीन में झांकते रहना किसी लत से कम नहीं। वहीं इस आदत के खामियाजों को समझकर खुद को वर्चुअल व्यस्तता से बचाने के प्रयास भी खूब किए जा रहे हैं। हालांकि आज के समय में फोन एक जरूरत भी बन गया है। इससे पूरी तरह दूर रहना भी मुश्किल है। पर इसके लती बनने से तो बचा जा सकता है। अमेरिका और कनाडा की कुछ यूनिवर्सिटीज द्वारा एक महीने तक 467 आईफोन यूजर्स पर की गई एक रिसर्च इस मोर्चे पर सही और सहज राह दिखाती है। असल में इस स्टडी में शामिल होने वाले लोगों को फोन का उपयोग पूरी तरह बंद करने की बजाय इंटरनेट का इस्तेमाल न करने को कहा गया था। इन लोगों के फोन में बाकायदा एक एप डाउनलोड की गई थी, जो फोन पर मोबाइल इंटरनेट ब्लॉक करने से जुड़ी थी। अध्ययन में सामने आया कि इंटरनेट बंद रखना लोगों का फोकस बढ़ाने और दिमाग भी जवान करने में मददगार साबित हो सकता है। इतना ही नहीं कुछ दिनों तक अगर फोन में ऐसी सेटिंग रखी जाए तो मूड में भी सुधार हो सकता है। इंसान का दिमाग तो 10 साल तक जवान हो सकता है। स्पष्ट देखने में भी आ रहा है कि पल-पल मिलते नोटिफिकेशंस यूजर्स का ध्यान भटकाने और मेमोरी लॉस का कारण बन रहे हैं। ऐसे में इंटरनेट सेटिंग्स के माध्यम से टिक-टिक पर लगाम लगाने के बहुत लाभ यूजर्स को मिल सकते हैं। आम लोगों के लिए भी खुद को स्मार्ट गैजेट्स से दूर रखने के लिए कुछ समय तक मोबाइल इंटरनेट बंद रखने का यह रास्ता अपनाने योग्य है।

**सेटिंग्स का खास असर:** फोन की सेटिंग्स चेंज करना कोई बड़ा बदलाव प्रतीत नहीं होता पर इसका असर बहुत अहम है। एक महीने की इस रिसर्च में दो हफ्ते बाद ही लोगों पर मोबाइल इंटरनेट बंद रखने की साधारण सी सेटिंग्स का असाधारण प्रभाव दिखने लगा। अध्ययन में शामिल लोगों ने माना कि वे पहले से ज्यादा खुश हैं। साथ ही अपनी जिंदगी को लेकर उनमें संतुष्टि का भाव भी बढ़ गया है। टिक-टिक या कोई और नोटिफिकेशन टोन को बंद रखने से यूजर्स को ना केवल मानसिक तौर पर स्वस्थ महसूस हुआ बल्कि यह बेहतरी से जुड़े ये बदलाव कॉग्नेटिव बिहेवियरल थेरेपी के बराबर थे। रिसर्च में शामिल लोगों ने बताया कि फोकस्ड रहने को लेकर भी उन्होंने पॉजिटिव बदलाव महसूस किए। साथ ही अटेंशन टेस्ट में इन लोगों के दिमाग ने अपने से 10 साल जवान लोगों के बराबर परफॉर्म किया।

**हर फ्रंट पर पॉजिटिव बदलाव:** इस स्टडी में सामने आया कि लोगों ने फोन छोड़कर अपने से जुड़े इंसानों के साथ ज्यादा समय बिताया। अच्छे से नींद लेने और एक्सरसाइज करने पर भी ध्यान दिया। लोगों ने हर रात औसतन 17 मिनट अधिक नींद ली। इन नतीजों को देखते हुए रिसर्चर का कहना है कि स्मार्ट फोन से पूरी तरह दूरी नहीं बनाई जा सकती पर इसके इस्तेमाल में बैलेंस रखना बहुत आवश्यक है। यह बहुत व्यावहारिक सा पक्ष है कि हर पल मिलते नोटिफिकेशंस से दूर रहना मानसिक ठहराव देने का काम करता है। यह ठहराव एकाग्रता की सौगात देता है। फोकस्ड रहने वाला इंसान कामकाजी संसार में बेहतर परफॉर्म कर पाता है। *

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

## कांच के बर्तन

नहीं होते भरोसेमंद
कांच के बर्तन
करने लगते हैं हवा के
सामने नर्तन।
फिजूल दूध को खौलाते रहे
मथ डाले
निकाल लेते हैं मलाई
बेचने वाले
हक में आता है केताओं
के अब खुरचन।
सिर्फ बदली हैं तख्तियां
बदले हैं मुखड़े
नई नहीं है संरचना
बदले हैं टुकड़े
हुआ नहीं है सालों से
कोई परिवर्तन।
काटने की लगी है होड़
अंधभक्तों में
फल और फूल नहीं दिखते
अब दरख्तों में
मांगने के लिए
होता है मिथ्या अर्चन।
स्वयंभू गुरुओं के चेलों
की हैं दुकानें
बखान करते हैं बौद्धिकता
के अफसाने
अपने जैसों के आगे
करते हैं गर्जन।
घरों को लूट रहे हैं
उनके रखवाले
जुबां पे आम आदमी के
पड़े हैं ताले
असत्य बोला नहीं करते
कभी भी दरपन।

व्यंग्य/ अंशुमाली रस्तोगी

# सोना और चोर

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े।

सोना जब देखो तब बमचक मचाए ही रहता है। ऐसे में न खरीदने वालों के हाथ आ पाता रहा है, न चोरों के। इससे सबसे अधिक 'आर्थिक नुकसान' हमारे चोर भाइयों का होता है। बेचारे न सोना चुरा पाते हैं, न बेच। महंगे होने के कारण लोगों ने सोना पहनना भी कम कर दिया है। और घर में जो रखा होता है, उसे लॉकर में डलवा देते हैं। अब चोर किस मुंह से किसी के घर चोरी करने जाए। सोना ही एक ऐसा आइटम है, जिसे चुराकर वे अच्छी कमाई कर लेते हैं। अपना घर चला लेते हैं। लेकिन उस पर भी अकसर ही ग्रहण लग जाता है। इसलिए छिनैती की घटनाएं भी अब घट गई हैं। वरना पहले तो चेन-कुंडल खींचने की वारदातें आए दिन अखबारों में पढ़ने को मिल जाया करती थीं। महिलाएं भी बड़ी अजीब हैं। अरे, अपने लिए नहीं तो कम से कम चोरों की भलाई के लिए ही सोना पहन कर घर से बाहर निकला करें। ताकि उन बेचारों की भी दुकान चलती रहे। एक यही तो उनकी कमाई का जरिया है, उस पर भी महंगाई की मार। घोर अन्याय है चोर बिरादरी के साथ। मैं इसकी सख्त शब्दों में मजम्मत करता हूं। सरकार को इस बारे में जरूर कुछ सोच-विचार करना चाहिए।

सोने के संग समस्या यही है कि वो कब बढ़ जाता है, कुछ पता नहीं चलता। रात भर में अपना दांव खेल देता है। लोगों ने भी सोने के प्रति ना जाने क्या मोह पाल रखा है कि रोटी पानी में डुबोकर खा लेंगे, लेकिन सोना जरूर खरीदेंगे। चाहे घर में खुद के रहने के लिए जगह न हो पर सोना जरूर रखेंगे। पहनने को चाहे ढंग के कपड़े न हों पर सोना जरूर पहनेंगे। मतलब हद है। यह नहीं होता कि थोड़ा सोना चोरों को भी दे दें ताकि उनका घर-परिवार भी चलता रहे। किसी गरीब की भलाई करने में दुआएं ही मिलती हैं।

चोरी करना कितना जोखिम भरा काम है, यह तो कोई चोर से ही पूछे। किसी अनजान घर में जाकर चुराई करना, मेरे तो सोचकर ही पसीने छूट जाते हैं। यहां मैं कलम चलाकर ही खुद को ऊंचा लेखक मानता हूं। अजी, कलम का क्या है कोई भी चला सकता है। परंतु चोरी हर कोई नहीं कर सकता। इसके लिए जिगर और इच्छाशक्ति दोनों की भरपूर जरूरत होती है। कभी-कभी तो चोर मुझे, लेखकों से कहीं अधिक सरल और सच्चे जान पड़ते हैं। लेखक चूंकि बुद्धिजीवी होता है, इसलिए हर समय शब्दों-भाषा का जाल बुनता रहता है। चोर सिर्फ चोर होता है। अपने धंधे से मतलब रखता है। यहां-वहां अपनी टांग नहीं फंसाता फिरता। वो तो खामख्वाह मैं लेखक बन गया, जबकि मुझे तो चोर ही बनना चाहिए था।

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े। उसका भी घर-परिवार चलता रहे। वो मुझे दुआएं दे। सोने का क्या है, वो तो पैसे की तरह हाथ का मैल है। आज है, कल नहीं। बल्कि मैं तो कहता हूं, देश के हर नागरिक को चोरों का ख्याल रखना चाहिए। ज्यादा नहीं तो महीने में दो चोरियां तो अपने घर में करवा ही लेनी चाहिए। बड़े-बुजुर्ग भी कह गए हैं, धन बांटने से बढ़ता है।

सही बोल रहा हूं, सोने का चोरी चला जाना पुण्य का काम है। इससे घर में बरकत बनी रहती है। सोने का महंगा होना चोरों के पेट पर लात है।

मुझे आम आदमी की सोने के पीछे दीवानगी कभी समझ नहीं आई। जिसे देखो वो सोना जोड़ने में लगा पड़ा है। कोई शौक के लिए जोड़ रहा है तो कोई शादी के लिए जोड़ रहा है तो कोई आड़े वक्त के लिए जोड़ रहा है। अमां, क्या कीजिएगा इतना सोना जोड़कर। जबकि साथ कुछ नहीं ले जाना है फिर भी...। यही सोना जब चोरी चला जाता है तब रोते हैं। चोरों को बद्दुआएं देते हैं। थाने में रपट लिखवाते हैं। बेवजह पुलिस वालों को भी परेशान करते हैं। मैं तो फिलहाल इस प्रतीक्षा में हूं कि सोना जल्द थोड़ा और नीचे आ जाए और चोरों का कारोबार फिर से चल निकले। मुझे यह कतई अच्छा नहीं लगता कि हम खाएं और चोर बेचारे हमारा मुंह ताकें। उनका दाना-पानी भी चलता रहे तो क्या हर्ज है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

# सर्जना और व्याख्या

वरिष्ठ लेखक-पत्रकार अवधेश श्रीवास्तव साहित्य के गंभीर पाठक-विवेचक भी हैं। लंबे समय से वे विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के लिए पुस्तक समीक्षाएं लिखते रहे हैं। हाल में उनकी लिखी समीक्षाओं का संकलन 'सर्जना और व्याख्या' पुस्तकाकार में आया है। इसमें उनके द्वारा लिखी गई तीस पुस्तकों की समीक्षाएं संकलित हैं। अवधेश श्रीवास्तव पुस्तकों का मूल्यांकन पूरी गंभीरता से करते हैं। वे अगर किसी किताब की विशिष्टताओं को रेखांकित करते हैं तो उसकी खामियों पर भी अंगुली रखने से परहेज नहीं करते हैं। यहां विष्णु प्रभाकर, भगवती चरण वर्मा, असगर वजाहत, अलका सरावगी, गोविंद मिश्र, शिवमूर्ति, राम दरश मिश्र, ओम निश्चल आदि की पुस्तकों के अलावा अर्नेस्ट हेमिंग्वे के अनूदित उपन्यास 'शस्त्र विदाई' की समीक्षा भी पढ़ी जा सकती है। *

पुस्तक: सर्जना और व्याख्या (समीक्षात्मक लेख)
लेखक: अवधेश श्रीवास्तव, मूल्य: 250 रुपए,
प्रकाशक: शांभवी प्रकाशन, गाजियाबाद

# महादेव शिव की दिव्य-भव्य प्रतिमाएं

आस्था / शिखर चंद जैन

महादेव शिव को समर्पित सावन के विशेष महीने में भक्तगण भगवान शिव से जुड़े तीर्थ-स्थलों की यात्रा करते हैं। इस अवसर पर हम आपको अपने देश के विभिन्न स्थानों में स्थित भगवान शिव की कुछ दिव्य और भव्य प्रतिमाओं के बारे में बता रहे हैं। इनके दर्शन मात्र से विलक्षण शांति प्राप्त होती है।

## मुरुदेश्वर महादेव कर्नाटक

**कर्नाटक के** उत्तरी हिस्से के भटकल तहसील में स्थित है मुरुदेश्वर महादेव मंदिर। 'मुरुदेश्वर' भगवान शिव का ही एक नाम है। यहां महादेव की जो मूर्ति स्थापित की गई है, वह देश-दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शिव प्रतिमा है। यह प्रतिमा 123 फीट ऊंची है। इसे बनाने में 2 साल का वक्त लगा। मुरुदेश्वर मंदिर अरब सागर के तट पर स्थित है। यह तीन ओर से अरब सागर से घिरा हुआ है। यह स्थल मंगलौर से 165 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां साल भर भक्तों और पर्यटकों का आगमन होता रहता है। *

## आदियोगी शिव, कोयंबटूर

**भगवान शिव** के मुख की दुनिया में सबसे बड़ी प्रतिमा है आदियोगी शिव प्रतिमा। कोयंबटूर से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित यह शिव प्रतिमा 112 फीट ऊंची है। इसका वजन 500 टन है। इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया गया है। इस प्रतिमा को बनाने में सीमेंट, कंक्रीट, बालू आदि किसी भी वस्तु का इस्तेमाल नहीं किया गया है बल्कि इसे धातु के टुकड़ों से बनाया गया है। इसके निर्माण में ढाई साल लगे। इस मंदिर के निर्माण से संबद्ध संस्था ईशा फाउंडेशन के अनुसार आदियोगी शिव का यह चेहरा मुक्ति का प्रतीक है। यह शिव प्रतिमा योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई है। *

## सर्वेश्वर महादेव, वडोदरा

**गुजरात के** वडोदरा शहर के मध्य में स्थित है सूरसागर झील और इस झील के बीचों-बीच विराजमान हैं सर्वेश्वर महादेव। 78 फीट गहरे 23 खंभों पर टिकी सर्वेश्वर महादेव की यह मूर्ति 120 फीट ऊंची है। इसके निर्माण में 6 वर्ष लगे थे। यह स्थान अहमदाबाद से 112 किलोमीटर दूर है। शिव भक्तों के लिए यह मंदिर आस्था का केंद्र तो है ही, अन्य धर्मावलंबियों एवं पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। इस मंदिर के आस-पास भी बहुत कुछ दर्शनीय है। *

## सिद्धेश्वर महादेव, सिक्किम

**सिक्किम के** सोलोफोक पहाड़ी पर सिद्धेश्वर महादेव यानी भगवान शिव की बैठी हुई मुद्रा में लगभग 87 फीट ऊंची प्रतिमा विराजमान है। आधार से इसकी ऊंचाई 108 फीट है। सिक्किम के लोग इसे नामची महादेव और भगवान किरतेश्वर के नाम से भी पूजते हैं। सफेद रंग की यह मूर्ति आस्थावान शिव भक्तों के साथ-साथ पर्यटकों को भी आकृष्ट करती है। यहां भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों के साथ-साथ चार धामों- बद्रीनाथ, जगन्नाथ, द्वारका और रामेश्वरम की प्रतिकृतियां भी स्थापित हैं। *

## हर की पैड़ी के शिव, हरिद्वार

**हरिद्वार में** हर की पैड़ी मंदिर बेहद लोकप्रिय श्रद्धा का केंद्र है। इसके ठीक सामने मौजूद है स्वामी विवेकानंद पार्क जहां भगवान शिव की 100 फीट ऊंची प्रतिमा विराजमान है। यहां देर शाम तक ठहर कर आप महादेव शिव के दर्शन के साथ-साथ गंगा आरती का भव्य नजारा भी देख सकते हैं। *

बेंगलुरु शिवोहम शिव मंदिर

## ये शिव प्रतिमाएं भी हैं भव्य

**यहां वर्णित** भगवान शिव की विशाल एवं दिव्य प्रतिमाओं के साथ-साथ देश में कई अन्य स्थानों पर भी शिव के विशाल स्वरूप के दर्शन होते हैं।

- जबलपुर (मध्य प्रदेश) के कछार शहर में 76 फीट लंबी शिव प्रतिमा मौजूद है। इसके चारों तरफ 12 ज्योतिर्लिंग भी विराजित किए गए हैं।
- बेंगलुरु में शिवोहम शिव मंदिर में मौजूद शिव प्रतिमा 65.6 फीट ऊंची है। यहां पृष्ठभूमि में हिमालय की प्रतिकृति बनाई गई है।
- गुजरात के द्वारका में मौजूद है नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर। यहां विराजित शिव प्रतिमा 82 फीट ऊंची है।

गुजरात नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर

सेल्फ इंप्रूवमेंट / जोगिंदर रोहिल्ला

# सफलता के लिए सीखनी होगी समय प्रबंधन की कला

समय की कद्र करना ही सफलता की पहली सीढ़ी है। पैसा, शोहरत, संबंध, सब कुछ दोबारा पाया जा सकता है, लेकिन एक बार गया हुआ समय फिर नहीं आता। इसलिए अगर सफल होना चाहते हैं, तो समय प्रबंधन की कला सीखनी ही होगी।

भारत के प्रसिद्ध महान आचार्य चाणक्य ने कहा था, 'पैसा दोबारा कमाया जा सकता है, लेकिन गया हुआ समय कभी वापस नहीं आता।'

सच है, हम सभी के पास दिन में 24 घंटे होते हैं। किसी के पास न ज्यादा, न कम। इसके बावजूद कुछ लोग हर दिन नई ऊंचाइयों को छूते हैं, जबकि बहुत सारे लोग समय की कमी की शिकायत करते रहते हैं। इसका कारण सीधा और सपष्ट है- सफल लोग समय को सिर्फ बिताते नहीं, वे अच्छे से समय को मैनेज करते हैं। हालांकि आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग सबसे ज्यादा जिस चीज की कमी महसूस करते हैं, वह है- समय। घर-ऑफिस का वर्क प्रेशर, सोशल मीडिया, परिवार की जिम्मेदारियों में उलझकर लोग यही कहते हैं, क्या करें समय ही नहीं मिलता। पर सच यह है कि समय मिलता नहीं, समय मैनेज करना होता है। इसीलिए ब्रायन ट्रेसी ने कहा है, 'जो लोग अपने समय को नियंत्रित नहीं करते, वे अपने जीवन को नियंत्रित नहीं कर सकते।'

सक्सेसफुल टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर के सफल बनने के पीछे केवल उनकी प्रतिभा ही नहीं, बल्कि उनका अनुशासित समय प्रबंधन भी था। उन्होंने अपनी ट्रेनिंग, रिकवरी और निजी जीवन-तीनों को संतुलन के साथ समयबद्ध किया, जिससे उनका प्रदर्शन लगातार ऊंचाइयों पर बना रहा।

**समय प्रबंधन क्यों है जरूरी:** हमें समझना होगा कि समय सीमित है। औसतन इंसान के पास सिर्फ 4000 हफ्ते होते हैं। घर-बाहर के काम कभी खत्म नहीं होते, इसलिए यह तय करना जरूरी है कि किस काम को पहले करना है और किसे बाद में?

आपको समझना होगा कि संतुलित जीवन में करियर, स्वास्थ्य, रिश्ते, खुशी सभी के लिए समय चाहिए होता है। जब हर चीज की प्लानिंग होती है तो इससे तनाव कम होता है, मन शांत रहता है।

**समय प्रबंधन के तरीके:** समय प्रबंधन करना बहुत कठिन नहीं होता है, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना होता है।

**प्राथमिकता तय करें:** जो काम जरूरी है, वही पहले करें। अर्जेंट और इंपॉर्टेंट का अंतर समझें। इसी तरह यह भी बहुत जरूरी है कि अनावश्यक कामों को मना करना सीखें। ऐसे काम करने में अपना टाइम वेस्ट ना करें।

**प्लानिंग करें:** काम शुरू करने के पहले से ही आपका हर महीना, हफ्ता और हर दिन प्लान होना चाहिए। अगर ये बहुत ज्यादा लगता है तो हर हफ्ते और हर दिन की प्लानिंग से शुरू कीजिए। अपने कार्यों को एक निश्चित समय और क्रम में इस तरह से प्लान कीजिए कि हर जरूरी काम समय पर, सही ध्यान और ऊर्जा के साथ पूरा किया जा सके। याद रखिए कि आपको प्लानिंग में जिंदगी के हर पहलू का ध्यान रखना है। जैसे- करियर, हेल्थ, परिवार, हॉबी।

**इवेल्यूएशन करें:** हर वीक के अंत में अपना इवेल्यूएशन खुद करें। स्वयं से पूछें कि इस हफ्ते मेरी उपलब्धियां कैसी रहीं? क्या मैं अपने समय का सदुपयोग कर पाया? क्या इसमें और सुधार की जरूरत है? इन सब प्रश्नों के उत्तर आपको हर हफ्ते अपने टाइम मैनेजमेंट को इंप्रूव करने में मदद करेंगे।

**ना करें टाइम वेस्ट:** आज के समय में सोशल मीडिया लोगों का समय वेस्ट करने वाला सबसे बड़ा जरिया बन गया है। हम अनजाने में दिन के कई घंटे इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यू ट्यूब या फेसबुक पर बिता देते हैं। जरूरी है कि हम इन चीजों के इस्तेमाल पर नियंत्रण रखें। आप खुद तय कर सकते हैं कि दिन में कितना समय इनको देना है। यह समझना जरूरी है कि हर काम के लिए 'हां' कहना जिम्मेदारी नहीं, कमजोरी बन सकता है। जब जरूरत हो, तो 'ना' कहना सीखें, ताकि आप अपने समय और ऊर्जा को सही दिशा में लगा सकें। *

यादें

अशोक वाधवाणी

हिंदी सिनेमा के आरंभिक दौर से ही रोमांटिक दृश्यों को प्रभावी बनाने के लिए सावन और बारिश के माहौल का इस्तेमाल किया जाता रहा है। ऐसे ही एक यादगार गीत 'रिमझिम गिरे सावन' से कुछ दिलचस्प बातें जुड़ी हुई हैं।

# कुछ इस तरह फिल्माया गया था पॉपुलर गाना रिमझिम गिरे सावन...

सावन और बरसात का हिंदी फिल्मों से पुराना कनेक्शन रहा है। बीते दौर की ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों से लेकर आज तक हिंदी फिल्मों में बरसात में भीगते हुए नायक-नायिका पर रोमांटिक गाने फिल्माने की परंपरा चल रही है। इस तरह के प्रयोग अकसर ही फिल्म और गाने को हिट कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बारिश में फिल्माए गए कई गाने इतने लोकप्रिय हुए हैं कि आज भी बारिश के मौसम में भीगने पर आम लोगों को भी उनकी पंक्तियां याद आ ही जाती हैं। ऐसे ही यादगार गानों की कड़ी में शामिल है वर्ष 1979 में रिलीज हुई फिल्म 'मंजिल' के का वो सुपरहिट गीत 'रिमझिम गिरे सावन...', जिसे फिल्माया गया था अमिताभ बच्चन और मौसमी चटर्जी पर। देखा जाए तो इस गाने की लोकप्रियता में बरसात ने उत्प्रेरक का काम किया। बासु चटर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म 'मंजिल' मृणाल सेन द्वारा निर्देशित बांग्ला फिल्म 'आकाश कुसुम' (1965) का रीमेक है। इस फिल्म की कहानी को दर्शकों, समीक्षकों की समान रूप से सराहना मिली थी।

**बैकग्राउंड में बजता है गाना:** फिल्म 'मंजिल' के इस लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'रिमझिन गिरे सावन, सुलग-सुलग जाए मन...' को लिखा था योगेश ने और इसका सुरीला संगीत दिया था आर.डी. बर्मन ने। दिलचस्प बात यह है कि इस गाने को लता मंगेशकर और किशोर कुमार ने आवाज दी है, तो भी यह युगल गीत नहीं है। ये गाना अमिताभ बच्चन और मौसमी चटर्जी पर बारिश में भीगते हुए फिल्माया गया है। लेकिन पर्दे पर इन दोनों कलाकारों को यह गाना गाते हुए नहीं

दिखाया गया है। पूरे सीक्वेंस के दौरान केवल बैकग्राउंड में बजता रहता है- रिमझिम गिरे सावन...।

**असली बारिश में फिल्माया गया:** इस लोकप्रिय गीत के साथ एक दिलचस्प बात यह भी जुड़ी है कि इसको मुंबई की असली बारिश में अलग-अलग लोकेशंस पर तीन दिनों तक पिक्चराइज किया गया था। मुंबई के मरीन ड्राइव, गिरगांव चौपाटी, फोर्ट, गेट वे ऑफ इंडिया, ओवल मैदान, हुतात्मा चौक आदि दक्षिण मुंबई के दर्शनीय स्थानों पर इसे शूट किया गया। अमिताभ और मौसमी ने भी इस गाने में स्वाभाविकता लाने की कोशिश की, जिसमें दोनों सफल भी हुए। सूट, टाई पहने अमिताभ और सीधी-सादी साड़ी पहने मौसमी बिना छाते के बारिश में भीगते, अठखेलियां करते हुए टहलते दिखते हैं। बारिश से बचने के लिए इनके पास कोई छाता या रेन कोट नहीं होता है। वहीं हाथों में छाता थामे हुए लोगों का हुजूम, इन्हें भीगते हुए देखता है।

**गाने का हर दृश्य है कमाल:** इस गाने में बेहद सादगीपूर्ण ढंग से बारिश की मस्ती और प्रेम की भावना को दर्शाया गया है। हाथों में हाथ डाले प्रेमियों की भांति अमिताभ-मौसमी का भीगना बहुत अच्छा लगता है। समंदर किनारे बनी दीवार पर अमिताभ का हाथ पकड़े हुए मौसमी का चलना-फिरना, अमिताभ का दोनों हाथों से पकड़ कर मौसमी को नीचे उतारना, चेहरे पर जमी बारिश की बूंदों को मौसमी द्वारा अपनी साड़ी के पल्लू से पोंछना, ये सारे दृश्य सुंदर, स्वाभाविक और कमाल बन पड़े हैं।

पूरे गाने में दोनों कलाकारों का उत्साह देखते ही बनता है। बालमन जिस तरह बिंदासपन के साथ बारिश में उछलता-कूदता है, बिल्कुल वही उमंग, उत्साह, उल्लास, ऊर्जा दिखती है दोनों में। गोथिक शैली की ब्रिटिशकालीन बड़ी-बड़ी इमारतों के सामने, नारियल के पेड़ों के पास खुले मैदान के गड्ढों में भरे पानी को पूरे जोश-जुनून के साथ पैरों से छपाक मारना, अमिताभ-मौसमी का मासूम अल्हड़पन, ...गाने का एक-एक फ्रेम, एक-एक दृश्य बेहद खूबसूरत बन पड़ा है। *

आकाशवाणी सार्वजनिक क्षेत्र की रेडियो प्रसारण सेवा है, जो लगभग एक सदी से ज्ञान, सूचना और मनोरंजन का साधन बना हुआ है। आगामी 23 जुलाई को आकाशवाणी के स्थापना दिवस पर इसकी अब तक की यात्रा पर एक नजर।

# अतीत से अब तक बरकरार आकाशवाणी की महत्ता

जानकारी

पूनम पांडे

आज आभासी दुनिया और तकनीक से सब कुछ जान लेने वाली पीढ़ी को अगर साढ़े चार दशक पहले के भारत की यह खास बात बताई जाए कि आकाशवाणी जीवन का एक अटूट हिस्सा हुआ करता था तो शायद वो एकदम से यकीन न करे। पर यही तब के समय का सच था।

## आकाशवाणी की शुरुआत

आकाशवाणी की स्थापना 23 जुलाई 1927 को की गई थी। उस समय इस सेवा का नाम भारतीय प्रसारण सेवा (इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन) रखा गया था। तब देश में रेडियो प्रसारण की शुरुआत मुंबई और कोलकाता में दो निजी ट्रांसमीटरों से की गई थी। 1930 में इसका राष्ट्रीयकरण हुआ। 1936 में इसका नाम ऑल इंडिया रेडियो रखा गया और 1957 में इसे आकाशवाणी नाम दिया गया।

## जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका

उस दौर में भारत में साक्षरता दर बहुत कम थी। वे दुनिया की दौड़ में बहुत पीछे थे। आकाशवाणी के माध्यम से बड़े ही सरल ढंग से आम बोल-चाल की भाषा में विभिन्न प्रकार की जानकारियां आम लोगों तक उपलब्ध कराई जाती थी। दूर-दराज के ग्रामीण इलाके में लोगों से जुड़कर और उनको जागरूक करने में रेडियो पर प्रसारित होने वाले आकाशवाणी के कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भारत के राष्ट्रीय प्रसारक के रूप में, ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) यानी आकाशवाणी आज भी जनता को मनोरंजन, सूचना एवं ज्ञानपरक सेवाएं दे रहा है। आकाशवाणी शुरुआत से ही अपने आदर्श वाक्य 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' का अनुसरण कर रहा है।

## आकाशवाणी का व्यापक नेटवर्क

अपनी स्थापना के बाद से धीरे-धीरे आकाशवाणी के नेटवर्क का विस्तार होता गया। आज आकाशवाणी का तेइस भाषाओं और एक सौ छियालीस बोलियों में प्रसारण होता है। आकाशवाणी का व्यापक नेटवर्क देश की लगभग पूरी आबादी एवं क्षेत्र को कवर करता है।

## हर तरह का मनोरंजन

आकाशवाणी समस्त भाषायी प्रदेशों की जनता के लिए गीत-संगीत, नाटक, गोष्ठियां, वार्ताएं, रूपकों, संस्मरणों आदि मनोरंजक कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। इसके अलावा आकाशवाणी की विविध भारती सेवा फिल्मी गीतों को समर्पित होती है। आकाशवाणी पर समस्त कार्यक्रमों का लगभग पचास प्रतिशत समय मनोरंजन परक कार्यक्रमों के लिए होता है।

## सूचना, शिक्षा एवं ज्ञान भी

आकाशवाणी पर हर एक घंटे पर मुख्य समाचार प्रसारित किए जाते हैं। इसके अलावा प्रातःकाल और सायंकाल में 15 मिनट की अवधि का समाचार बुलेटिन प्रसारित होता है। यह समाचार बुलेटिन हिंदी और अंग्रेजी भाषा में प्रसारित किया जाता है। बुलेटिन को इस तरह से तैयार किया जाता है कि श्रोता को उसे समझने के लिए किसी भी शब्दकोश का सहारा न लेना पड़े। आकाशवाणी पर श्रोताओं के विभिन्न समस्याओं को लेकर वार्ताएं भी प्रस्तुत की जाती हैं। अनुसंधानों के परिणामों, अभिभाषणों की कार्यवाही को लिपिबद्ध करके प्रस्तुत किया जाता है। इसके अंतर्गत कृषि, विज्ञान संबंधी शिक्षा देना भी शामिल होता है। आकाशवाणी के माध्यम से स्कूल तथा कॉलेज की कक्षाओं के लिए रेडियो द्वारा पाठ्य विषयों पर चर्चाएं भी प्रसारित की जाती हैं।

## कायम है प्रासंगिकता

देखा जाए तो आज भी रेडियो और आकाशवाणी जनसंचार का सशक्त माध्यम बना हुआ है। इसने गांव-गांव तक ज्ञान की चेतना को पहुंचाने का अविस्मरणीय कार्य किया है। हालांकि आज संचार के विविध माध्यम, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और हर हाथ में मोबाइल की पहुंच ने रेडियो और आकाशवाणी के अस्तित्व को चुनौती अवश्य दी है, लेकिन इसकी कुछ अनूठी विशेषताओं के कारण आज भी इसकी लोकप्रियता, उपयोगिता एवं प्रासंगिकता बनी हुई है। *

खान-पान

चेतना झा

बारिश का मौसम और पकौड़े का कनेक्शन तो आप जानते ही हैं! लेकिन यहां हम आपको देश के अलग-अलग हिस्सों में खाए जाने वाले कुछ जायकेदार मानसूनी व्यंजनों के बारे में बता रहे हैं, जिनका स्वाद आप कभी भुला नहीं पाएंगे।

# जायकेदार मानसूनी व्यंजनों का स्वाद

**लाजवाब राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा:** राजस्थान की धरती पर बारिश की बूंदें स्वाद की नई बयार भी लेकर आती हैं। बारिश हुई नहीं कि गोठ के प्रोग्राम बनने लगते हैं। गोठ यानी, प्रकृति के करीब या पार्कों में जाकर सामूहिक पिकनिक मनाना। अपनों के साथ खुले सुखद परिवेश में दाल-बाटी चूरमे का रसास्वादन सबसे ज्यादा चलन में है। सावन के महीने में तीज और राखी जैसे पर्व पर यहां की फिजा में घेवर की खुशबू भी घुल-मिल जाती है। घेवर में स्वाद की इतनी विविधता मिलती है कि आप चखते जाएंगे पर इसका अंत नहीं होगा। मेवाड़ क्षेत्र में घूमिए तो

दाल-बाटी-चूरमा

गली-गली से उठती पकौड़े, मालपूए की सुगंध भूख बढ़ा देती है। इसके साथ ही भुट्टे की सब्जी के साथ घी चुपड़ी रोटी का स्वाद कभी नहीं भुला पाएंगे।

**यूपी में अंगीठी वाली मीठी रोटी:** अब बात यूपी की अंगीठी वाली मीठी रोटी, अरबी के पत्ते के पकौड़े, अगस्त्य के फूल के पकौड़े की। भिगोकर पीसी गई उड़द और चने की दाल को हरी मिर्च, धनिया, अदरक डाल कर भून देते हैं, फिर धो-सुखा कर, अरबी के पत्तों पर इन्हें लपेट कर स्टीम देते हैं। इसके बाद बनती है इनकी पकौड़ी। लंबी प्रक्रिया है लेकिन बरसात आते ही घर-घर में इसे बनाया और चाव से खाया जाता है।

**झारखंड में धुसका-बर्रा:** 'धुसका बर्रा खाएंगे, झारखंड में बस जाएंगे...' इस गाने की पंक्तियों की तरह ही हिट है झारखंड का धुसका-बर्रा। सच है, बारिश के दिनों में झारखंड की हरी-भरी धरती पर धुसका खाने के बाद किसी का भी दिल यहां बस जाने को करेगा। बराबर की मात्रा में चना दाल और अरवा चावल को भिगोकर उसमें जीरा, मिर्च आदि मसाले मिलाकर पीसा जाता है फिर तुरंत ही तल कर बनाते हैं धुसका। आलू की खट्टी-मीठी सब्जी के साथ इसका लुत्फ उठाया जाता है। इनके अलावा यहां रूगड़ा भी इस मौसम में खूब

अगस्त्य के फूल के पकौड़े

धुसका-बर्रा

चाव से खाया जाता है। इसे 'शाकाहारी मटन' भी कहा जाता है।

**एमपी में दाल-बाफला:** पश्चिमी मध्य प्रदेश का एक बड़ा हिस्सा है मालवा। यहां बारिश की बूंदें दाल-बाफला का संदेश लेकर आती हैं। बाफला यानी आटे की बाटी को कंडे की आग में पका कर तैयार किए गए सोंधे-सोंधे बड़े। पकाने के बाद इन बड़ों से राख झाड़ कर घी की कटोरी में डुबो देते हैं, फिर खट्टी-मिठ्ठी दाल के साथ इसका स्वाद लिया जाता है। *

## बिहार की कचरी-मूरही और लिट्टी-चोखा

**बिहार में** बारिश होते ही लिट्टी और बैंगन के चोखे के अलावा कचरी-मूरही की तलब जगने लगती है। कचरी यानी लच्छे में कटे प्याज में कटी हरी मिर्च, लहसुन, अदरक, बैंगन, फूलगोभी और मसाले डाल कर बेसन के घोल में लपेट कर तैयार पकौड़े। मूरही यानी पफ्ड राइस या मुरमुरे। बारिश में गरमा-गरम कचरी के साथ मूरही का स्वाद भुलाया नहीं जा सकता है।

लिट्टी के लिए चने के सत्तू में बारीक कटी हरी मिर्च, धनिया पत्ती, अदरक, लहसुन, नीबू का रस, अजवाइन, कलौंजी, नमक और कुछ बूंदें सरसों के तेल डाल कर मिश्रण तैयार किया जाता है। गूंथे आटे की गोली में यह मिश्रण डाल कर गोइठे या कोयले की आग में पकाया जाता है। फिर इसी आंच पर बैंगन को भून कर चोखा तैयार किया जाता है। इसका स्वाद एक बार अगर जुबान पर चढ़ गया तो यकीन मानिए, इसे बार-बार खाने का जी करेगा।